卐 श्री सदगुरू देवाय नमः 卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 192 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦रविवार ♦19 अप्रैल 2026 ♦मूल्य दो रूपया

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के खुले कपाट

प्रधानमंत्री के नाम से सीएम धामी ने कराई पहली पूजा, हेलीकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा

उत्तरकाशी (उद संवाददाता)। देवभूमि उत्तराखंड में विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा 2026 का रविवार को व 'जय मां यमुना' के उद्घोष के साथ गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए कपाटोद्घाटन के अवसर पर पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से संपन्न की गई, जिसमें राष्ट्र के कल्याण इससे पूर्व मां गंगा की उत्सव डोली तड़के भैरव घाटी से प्रस्थान कर गंगोत्री धाम पहुँची। मंदिर समिति के सचिव

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर विधिवत शुभारंभ हो गया। वैदिक मंत्रोच्चारण, पारंपरिक अनुष्ठानों और 'हर-हर गंगे' खोल दिए गए। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं इस दिव्य और ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। और सुख-समृद्धि की कामना की गई। गंगोत्री धाम के कपाट निर्धारित शुभ मुहूर्त दोपहर 12:15 बजे खोले गए। सुरेश सेमवाल ने बताया कि गंगा पूजन, गंगा सहस्रनाम पाठ और विशेष धार्मिक अनुष्ठानों के (शेष पृष्ठ सात पर)

कल्याणी नदी में युवक का शव मिलने से सनसनी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। किच्छा बाईपास मार्ग पर रविन्द्र नगर स्थित छठ पूजा स्थल के पास कल्याणी नदी में रविवार को एक युवक का शव पाये जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का

निरीक्षण किया और शव नदी से बाहर निकलवाकर उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया। बाद में मृतक की पत्नी पिंकी कश्यप ने उसकी पहचान रॉक जम वाली गली ट्रांजिट कैम्प निवासी अपने पति 38 वर्षीय सोनू कश्यप पुत्र रेवीराम कश्यप मूल निवासी ग्राम साहपुर तहसील बिसौली, बदायूं के रूप में की। जानकारी के अनुसार आज प्रातः करीब 7 बजे छठ पूजा स्थल के पास गुजरते लोगों ने कल्याणी नदी में एक युवक का शव तैरता देखा। शव मिलने की खबर (शेष पृष्ठ सात पर)

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ दुष्प्रचार पर भड़के कार्यकर्ता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। एआई का दुरूपयोग कर फर्जी एकाउण्ट बनाकर सोशल मीडिया में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नाम से भ्रामक व आपत्तिजनक पोस्ट प्रचारित करने तथा बिना सत्यापन के समाचार प्रकाशित करने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में रोष बढ़ता जा रहा है। आज किच्छा के विधायक

तिलकराज बेहड़ के नेतृत्व में भारी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने कोतवाली पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार करने वालों के खिलाफ पार्षद गौरव खुराना की ओर से तहरीर सौंपकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा जब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया जाता कार्यकर्ता कोतवाली में धरना जारी रखेंगे (शेष पृष्ठ सात पर)

सामूहिक विवाह में चार जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

श्री पंचमुखी हनुमान बालाजी मंदिर के स्थापना दिवस पर आयोजित हुआ सामूहिक विवाह कार्यक्रम

रूद्रपुर। श्री पंचमुखी हनुमान बालाजी मंदिर गल्ला मंडी के 18 वां स्थापना दिवस कार्यक्रम के तहत आज मंदिर समिति द्वारा सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गरीब परिवार के चार वर वधुओं का विधि विधान से सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया। जिन्हें क्षेत्र के गणमान्य लोगों के साथ संत महापुरूषों ने सुखी दाम्पत्य जीवन का आर्शीवाद दिया। सायंकाल सभी नव विवाहित जोड़ों को उपहार में घरेलू सामान देकर विदा किया गया। इससे पूर्व आज प्रातः अम्बेडकर पार्क से सभी चारों वरों की बैड बाजों के साथ बारात प्रारम्भ हुई। जिसमें वर पक्ष के लोगों के साथ ही नगर के कई गणमान्य लोगों ने प्रतिभाग किया। बारात मुख्य बाजार से गुजरती हुई गल्ला मंडी स्थित श्री पंचमुखी हुनमान बाला जी मंदिर पहुंची जहां बारात का कन्या पक्ष के लोगों के साथ आयोजन समिति व अनेक गणमान्य लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। तत्पश्चात सभी को जलपान कराया गया। दोपहर भण्डारा आयोजन के बाद सभी वर वधू का मंदिर के पुजारी पंडित सुरेन्द्र पाल शर्मा की देखरेख में विधिविधान से विवाह सम्पन्न कराया गया। जिन वर वधुओं का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया उनमें बदायूं निवासी नेमचन्द का रम्पुरा निवासी पूजा से, मिलक रामपुर निवासी मुनेश का रम्पुरा निवासी निकिता से, लालपुर निवासी सोहनलाल का रम्पुरा निवासी रेखा से व पश्चिम चम्पारन बिहार निवासी अरविन्द कुमार का जाफराबाद बिलासपुर निवासी प्रियंका से विवाह सम्पन्न हुआ। इस दौरान विधायक (शेष पृष्ठ सात पर)

रावत की 'फल पार्टी' भी कांग्रेसियों के बीच नहीं घोल सकी 'मिठास'

हरदा की फल पार्टी से उत्तराखंड के दिग्गज कांग्रेसियों ने बनाई दूरी,निकाले जाने लगे खास सियासी मायने

-अर्श-

देहरादून। सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वयोवृद्ध कांग्रेसी नेता अपने पन्द्रह दिवसीय राजनीतिक अवकाश से लौटने के बाद एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार वे अपनी तरबूज खरबूज पार्टी को लेकर सियासी विमर्श के केंद्र में हैं। हालांकि हरदा उत्तराखंड की संस्कृति एवं उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए पहले भी इस तरह की पार्टियों का समय-समय पर आयोजन करते रहे हैं, लेकिन इस दफा उनकी फल पार्टी के कुछ खास सियासी निहितार्थ खोजे जा रहे हैं। वह इसलिए ,क्योंकि रावत की इस फल पार्टी में न तो प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेता नजर आए और न ही पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक। उल्लेखनीय है कि हरीश रावत जब पन्द्रह दिन के सियासी अवकाश पर गए थे ,तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में रावत के रवैए को लेकर बेहद तल्ख बयान बाजी हुई थी। जिसके चलते राजनीतिक समीक्षकों के बीच यह धारणा बलवती होने लगी थी, कि कांग्रेसी कांग्रेस पार्टी का एक धड़ा अब हरीश रावत को पचा नहीं पा रहा है और भीतर खाने उन्हें साइड लाइन करने की कोशिश की जा रही है, मगर अब हरीश रावत की फल पार्टी में कांग्रेस के वरिष्ठ

नेताओं की गैर मौजूदगी ने राजनीतिक समीक्षकों को इस समूचे मामले को एक खास नजरिए से देखने पर विवश कर दिया है। बताना होगा कि फल पार्टी में हरदा के समर्थक व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचे और फलों की मिठास तथा पहाड़ी व्यंजनों का जमकर लुत्फ उठाया ,लेकिन प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेताओं ने फल पार्टी से दूरियां बनाए रखी। जबकि इस फल पार्टी के लिए हरदा की ओर से सभी को खुला निमंत्रण दिया गया था। कदाचित यही कारण है कि हरदा के राजनीतिक विरोधियों ने अब यह कहते हुए चटकारे लेने आरंभ कर दिए है कि रावत की फल पार्टी के खरबूज व तरबूज की मिठास भी कांग्रेसी नेताओं के बीच मिठास नहीं घोल पाई है। ज्ञात हो कि जिस समय रावत के देहरादून स्थित आवास पर फल पार्टी चल रही थी तब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत टिहरी में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे। लिहाजा, हरीश रावत ने फल पार्टी के अन्यथा सियासी मायने की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि यह मेरा एक गैर राजनीतिक कार्यक्रम है, मैं जब मुख्यमंत्री था तब भी राज्य के उत्पाद व संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए मैंने उत्तराखंड के उत्पादों को बढ़ावा देने का काम किया (शेष पृष्ठ सात पर)

पीसी पीएनडीटी एक्ट उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई:सीएमओ

अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने की छापेमारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान-तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम, 1994 का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध स्वास्थ्य विभाग ने अब जीरो टॉलरेंस और जीरो मर्सी की नीति अपना ली है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं समुचित प्राधिकारी डॉ. के.के. अग्रवाल के कड़े निर्देशों के बाद रुद्रपुर ब्लॉक के 04 पंजीकृत अल्ट्रासाउंड केंद्रों और 01 आईवीएफ केंद्र पर पीसी-पीएनडीटी टीम ने औचक निरीक्षण कर हड़कंप मचा दिया। जांच टीम ने स्पष्ट कर दिया है कि लिंगानुपात बिगाड़ने वालों को अब किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला नोडल अधिकारी (पीसी-पीएनडीटी) डॉ. एस.पी. सिंह के नेतृत्व में टीम ने फुटेला हॉस्पिटल, फुटेला आई.वी.एफ. सेंटर, बी.डी. पाठक हॉस्पिटल, जीवनदीप डायग्नोस्टिक सेंटर एवं न्यूरो अल्ट्रासाउंड सेंटर का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने अधिनियम की

विभिन्न धाराओं के अंतर्गत एक-एक दस्तावेज को खंगाला। जांच में फॉर्म-एफ की प्रविष्टियां, मरीजों के अभिलेखों में ओवरराइटिंग, बिना रेफरल स्लिप के अल्ट्रासाउंड, रजिस्टर में कटिंग और मशीनों के भौतिक सत्यापन के साथ-साथ धारा 22 के तहत अनिवार्य चेतावनी बोर्ड की भी जांच की गई। डॉ. एस.पी. सिंह ने केंद्रों के संचालकों को अंतिम चेतावनी देते हुए कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अधिनियम की धारा 23(1) के तहत पहली गलती पर 3 साल की सश्रम कैद व 50 हजार जुर्माना और धारा 23(2) के तहत दोबारा अपराध करने पर 5 साल की सश्रम कैद व 1 लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त धारा 20 के तहत पंजीकरण तत्काल निरस्त कर धारा 30 के तहत मशीनें जब्त कर ली जाएंगी और संबंधित डॉक्टर का मेडिकल लाइसेंस भी रद्द करवाया जाएगा। निरीक्षण टीम में डॉ. नम्रता सिंह, जिला समन्वयक प्रदीप महर और अधिशासी सहायक गोपाल आर्य शामिल रहे।स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता के लिए भी खुली चेतावनी जारी की है। डॉ. सिंह ने कहा कि यदि कोई डॉक्टर, दलाल, आशा, एएनएम या रिश्तेदार लिंग परीक्षण के लिए उकसाता है या पैसे की मांग करता है, तो तुरंत उसकी वीडियो या ऑडियो बनाकर सीएमओ कार्यालय या पीसी-पीएनडीटी सेल को उपलब्ध कराएं। सूचना देने वाले का नाम पूर्णतः गुप्त रखा जाएगा और उसे उचित इनाम भी दिया जाएगा। डॉ. सिंह ने दो टूक कहा कि अब केवल निरीक्षण का दौर खत्म हो चुका है, गड़बड़ी मिलने पर सीधे कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण की यह रिपोर्ट धारा 17(4) के तहत राज्य समुचित प्राधिकारी को भेज दी गई है।

झोपड़ी में आग लगने से हजारों का सामान राख

किच्छा। हल्द्वानी मार्ग पर एक झोपड़ी में अचानक आग लग गई। तेज हवा के कारण कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और झोपड़ी में रखा सारा घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने आग पर काबू पा लिया और आग को निकट स्थित अन्य झोपड़ियों तक पहुंचने से रोक दिया। जानकारी के अनुसार एमडीटी के माध्यम से दमकल टीम को सूचना

मिली कि एचपीएससी स्कूल के सामने झोपड़ी में आग लग गई है। सूचना पर टीम प्रभारी मदन सिंह के नेतृत्व में फायरमैन भवान सिंह, फायरमैन दीपक बसेड़ा एवं संविदा कर्मी धीरज राणा की टीम दमकल की गाड़ी लेकर मौके पर पहुंच गई और समय रहते आग पर काबू पा लिया। घटना में पीड़िता मोना देवी पत्नी ऋषि लाल नहीं बताया कि अज्ञात कर्म के चलते आग लगने से झोपड़ी सहित अंदर रखा हजारों रुपए कीमत का अनाज, कपड़े, बिस्तर व घरेलू सामान जलकर खाक हो गया।

श्रमिकों की मांगों को लेकर डीएलसी को सौंपा ज्ञापन

रुद्रपुर,। भाकपा माले ने सिडकुल क्षेत्र में आक्रोशित श्रमिकों की मांगों को लेकर डीएलसी को ज्ञापन सौंपते हुए न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने और श्रमिकों के शोषण पर रोक लगाने की मांग उठाई। ज्ञापन सौंपते हुए जिला सचिव ललित मटियाली ने कहा कि उधम सिंह नगर जिले के पंतनगर और सितारगंज सिडकुल सहित विभिन्न उद्योगों में मजदूर भारी शोषण का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान महंगाई को देखते हुए मजदूरों का न्यूनतम वेतन बेहद कम है, जिससे उनका जीवन यापन कठिन हो गया है।उन्होंने बताया कि पंतनगर सिडकुल की बेलराइस और याजाकी कंपनी के आक्रोशित ठेका मजदूरों ने कम मजदूरी और शोषण के विरोध में हड़ताल शुरू कर दी है। मजदूरों का

कहना है कि वे लगातार हो रहे शोषण और कम वेतन के कारण हड़ताल पर जाने को मजबूर हुए हैं।ललित मटियाली ने कहा कि श्रम विभाग के अधिकारियों को तत्काल हस्तक्षेप करते हुए मजदूरों की समस्याओं को सुनना चाहिए और उनका समाधान करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मजदूरों की सभी मांगें शीघ्र मानी जाएं, उद्योगों में शोषण पर सख्ती से रोक लगाई जाए और मजदूरी बढ़ाकर 42000 प्रतिमाह की जाए। साथ ही इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर श्रम भवन के माध्यम से शासन को भेजा जाए।ज्ञापन सौंपने के दौरान ऐक्टू की ओर से हेमंत भट्ट भी मौजूद रहे।

महिलाओं का सम्मान सरकार की प्राथमिकता: फरजाना

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष फरजाना बेगम ने अल्पसंख्यक बहनों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर राष्ट्र के नाम संबोधन को सुना। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। तीन तलाक जैसे कुप्रथा के खिलाफ ऐतिहासिक कानून लाकर उन्होंने लाखों मुस्लिम बहनों को न्याय और सम्मान दिलाने का कार्य किया। इसी प्रकार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समान नागरिक संहिता कानून लागू कर महिलाओं के अधिकारों, समानता और सम्मान को और अधिक मजबूत करने का

कार्य किया है। उन्होंने बताया कि देवभूमि उत्तराखंड राज्य में निकाय व पंचायत चुनाव में महिलाओं को आरक्षण से कर सम्मान दिया गया। वही सरकारी नौकरियों में भी तीस प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। फरजाना बेगम ने बताया प्रदेश में विभिन्न खेलों में प्रतिभावान महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर उन्हें उपयुक्त प्रशिक्षण और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिससे आज राज्य की महिला खिलाड़ी खेलों में राज्य वे देश का नाम विश्व में रौशन कर रही हैं। उन्होंने कहा केंद्र की मोदी सरकार व उत्तराखंड की धामी सरकार ने हमेशा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम किया है।

विपक्ष ने महिला आरक्षण बिल रोककर खुद को महिला विरोधी साबित किया: छाबड़ा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। लोकतंत्र सेनानी सुभाषचंद्र छाबड़ा ने महिला आरक्षण विधेयक के पारित न होने पर विपक्षी दलों के जश्न को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि 18 अप्रैल का दिन भारतीय राजनीति में विपक्ष के श्मूर्खता के उत्सवश के रूप में दर्ज होगा। विपक्ष जिसे अपनी विजय बता रहा है, वह दरअसल उनके राजनीतिक पतन का ट्रिगर पॉइंट साबित होगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राजनीति में तालियां हमेशा जीत का प्रतीक नहीं होतीं, कभी-कभी वे विदाई की गूँज भी होती हैं।सुभाषचंद्र छाबड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो पटखनी दी है, उसकी धूल जब 2029 के चुनावों में उड़ेगी तब शायद इन विपक्षी नेताओं को समझ आएगा कि जो ताली वे पीट रहे थे, वह जीत पर नहीं बल्कि अपनी ही सियासी कब्र पर पीट रहे थे। उन्होंने कहा कि श्इंडी गठबंधनश को लग रहा है कि उन्होंने बिल को रोककर सरकार को घेरा है, लेकिन असल में उन्होंने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। महिला आरक्षण बिल न पास होने की स्थिति में विपक्ष के खेमे में भले ही जश्न का माहौल हो, लेकिन हकीकत में यह उस 'सियासी जाल' का चक्रव्यूह है जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी चतुराई से बुना है। उन्होंने आगे कहा कि अब भाजपा के पास 2029 तक के हर चुनाव के लिए एक अचूक हथियार मिल गया है। भाजपा अब जनता के बीच जाकर यह कहेगी कि सरकार तो महिलाओं को अधिकार देना चाहती थी, लेकिन विपक्ष ने इसे रोक दिया।

एसएसपी ने फुटबॉल टूर्नामेंट के साथ किया नशा मुक्त अभियान का आगाज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के नेतृत्व में नशा मुक्त देवभूमि अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित खिलाड़ियों एवं युवाओं को नशे किया जा रहा है। टूर्नामेंट में पुलिस बल एवं स्थानीय युवाओं की सक्रिय सहभागिता देखने को मिल रही है। में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है।कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। एसएसपी अजय गणपति ने अपने संदेश में कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यदि युवा खेलों व सकारात्मक गतिविधियों

खिलाड़ियों और युवाओं को नशे के विरुद्ध शपथ दिलाकर फुटबॉल सद्भावना टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। पुलिस लाइन रूद्रपुर में जनपद ऊधमसिंहनगर पुलिस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन के विरुद्ध शपथ दिलाई तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने एवं समाज में जागरूकता फैलाने हेतु प्रेरित किया।नशा मुक्त देवभूमि अभियान के तहत खेलों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने की इस पहल में कुल 08 टीमों द्वारा प्रतिभाग उद्घाटन मैच के दौरान खिलाड़ियों द्वारा उत्कृष्ट खेल, अनुशासन एवं टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से दूर रखते हुए उन्हें खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना एवं समाज को अपनाते हैं, तो वे स्वयं भी सुरक्षित रहेंगे और समाज को भी सुरक्षित बनाएंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ऊधमसिंहनगर पुलिस युवाओं को सही दिशा देने और नशे के खात्मे के लिए इस प्रकार के प्रयास निरंतर जारी रखेगी।

फंक्शनल अल्ट्रासाउंड नवजात शिशु के उपचार में लाभकारी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। सुशीला तिवारी अस्पताल में प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ अजय आर्या, मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य डॉ जी एस तितीयाल , चिकित्सा अधीक्षक डॉ अरुण जोशी, बाल रोग विभाग अध्यक्ष डॉ ऋतु रखोलिया, डॉ अनिल, डॉ रवि एवं डॉ गुंजन द्वारा दीप प्रज्लवित कर किया गया।कार्यशाला मैं डॉ प्रदीप सूर्यवंशी पुणे (महाराष्ट्र), डॉ गायत्री मुराजकर मुम्बई, डॉ हंस वैश देहरादून, डॉ चिन्मय चेतन विभागाध्यक्ष जॉली ग्रांट मेडिकल कालेज देहरादून द्वारा जानकारी दी गई। डॉ ऋतु रखोलिया ने बताया कि फंक्शनल अल्ट्रासाउंड द्वारा नवजात शिशुओं के दिमाग, छाती, फेफड़े, हृदय, पेट की बीमारियों के निदान एवं शीघ्र

इलाज करने मै मदद करता है।जिससे गंभीर बीमारियों से ग्रसित नवजात शिशुओं को बचाने में मदद मिलती हैं। डॉ रखोलिया ने बताया कि अल्ट्रासाउंड द्वारा नवजात शिशुओं में विकिरण का खतरा भी नहीं होता हैं एवम नवजात शिशुओं के बिस्तर पर ही मशीन ले जाकर जांच की जाती हैं और शिशुओं को अपने बिस्तर पर ही इलाज मिल जाता हैं। यह तकनीक अति गंभीर शिशुओं के लिए वरदान साबित होती हैं। विकसित देशों एवं भारत के बड़े शहरों में इस तकनीक के द्वारा गंभीर नवजात शिशुओं का इलाज संभव हो रहा हैं। इस कार्यशाला के बाद हमारे प्रदेश में भी निकट भविष्य में गंभीर रोगों से पीड़ित नवजात शिशुओं का इलाज संभव हो पायेगा, जिससे नवजात शिशु मृत्यु दर कम करने में मदद मिलेगी। कार्यशाला मैं उत्तराखंड राज्य से आए हुए 42 चिकित्सकों ने भाग लिया।

आग से गेहूं की फसल को हुए नुकसान का लिया जायजा

गदरपुर (उद संवाददाता)। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री नरेश हुड़िया ने विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चकरपुर में पीड़ित किसान अनूप नारंग के निवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। विदित हो कि बीती रात अनूप नारंग के खेत में अचानक आग लगने से लगभग 5 एकड़ गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई थी। इस घटना से किसान को भारी आर्थिक क्षति पहुँची है। नरेश हुड़िया ने मौके पर पहुंचकर हुए नुकसान का जायजा लिया और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि जिन भी किसान भाइयों की फसलों में आग लगी है, उनके नुकसान की उचित भरपाई के लिए शासन-प्रशासन से पुरजोर मांग की जाएगी। उन्होंने इस घटना को बेहद हृदयविदारक बताते हुए

कहा कि एक किसान की साल भर की मेहनत और भविष्य की उम्मीदें पल भर में स्वाहा हो जाना अत्यंत दुखद है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि दुख की इस घड़ी में सरकार किसानों के साथ खड़ी है। इस दौरान भाजपा ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष कविंद्र सैनी, क्षेत्र पंचायत सदस्य विक्रमजीत सिंह, प्रवीण कोचर, विशाल नारंग, राजेश कुमार, विनोद शर्मा, नवाब अल्वी सहित कई अन्य किसान और ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने प्रशासन से आग लगने के कारणों की जांच करने और पीड़ितकिसान को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराने की अपील की है।

25 लाख से बने टिन शेड का विधायक ने किया लोकार्पण

धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के लिए क्षेत्रवासियों को मिली बड़ी सौगात

रूद्रपुर। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामसभा बरिराई के गांव मकरन्दपुर में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक शिव अरोरा ने विधायक निधि से स्वीकृत 25 लाख रुपये की लागत से बने विशाल टिन शेड का फीता काटकर लोकार्पण किया। मकरन्दपुर गांव पहुँचने पर क्षेत्रवासियों ने विधायक का भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान विधायक ने जनता को संबोधित करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। लोकार्पण अवसर पर विधायक शिव अरोरा ने कहा कि मकरन्दपुर गांव में इस विशाल टिन शेड के निर्माण से ग्रामीणों को बड़ी सुविधा मिलेगी। अब सार्वजनिक बैठकें, धार्मिक अनुष्ठान और सामाजिक आयोजन बिना किसी बाधा के संपन्न किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस शेड की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय

से की जा रही थी, जिसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया गया है। विधायक ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में केवल मकरन्दपुर ही नहीं, बल्कि रूद्रपुर विधानसभा के अनेक ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में ऐसे कई टिन शेड बनवाए हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में रूद्रपुर क्षेत्र विकास के मामले में तेजी से आगे बढ़ा है। जर्जर हाल में पड़ी सड़कों का कायाकल्प किया गया है और बड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है।विपक्ष पर प्रहार करते हुए विधायक ने कहा कि विकास कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी गई है, लेकिन विपक्ष केवल झूठ और भ्रम की राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास आलोचनाओं के सिवा कुछ नहीं बचा है, जबकि जनता भाजपा सरकार और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना कर रही है। विधायक ने आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख तक के मुफ्त इलाज, गरीबों को मिल रहे मुफ्त राशन, श्रमिकों के लिए ईएसआई सुविधा और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु बिना गारंटर के मुद्रा लोन जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास की नई इबारत लिख रहा है।कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख ज्योति ग्रोवर, सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर, भाजपा मंडल अध्यक्षजगदीश विश्वास, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश बजाज, बीडीसी महेंद्र सैनी, मन्नू चौधरी, दयाल सिकदार, प्रतिश बाला, इंद्रपाल चौधरी, गुरबाज दुमरा, प्रकाश कुमार, सूरज, ममता देवी, रानी मंडल, सुरजीत, मोहन सिंह और गुरजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े फायरिंग से हड़कंप, डंपर चालक के बेटे पर जानलेवा हमला

रामनगर (उद संवाददाता)। रामनगर क्षेत्र के ग्राम थारी में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर दिनदहाड़े फायरिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हमले में युवक बाल-बाल बच गया, लेकिन इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिए दबिश देना शुरू कर दिया है।कोतवाली में दी गई तहरीर के अनुसार, ग्राम थारी निवासी जसवीर सिंह पुत्र स्वर्गीय वचन सिंह बंजारी गेट कोसी में डंपर चालक हैं। 16 अप्रैल को जब उनका बेटा अमृत सिंह उन्हें खाना देने वीरपुर लच्छी पुल के पास पहुँचा, तो वहाँ मौजूद अर्जुन सिंह पुत्र गुरदास सिंह ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। अर्जुन सिंह ने अमृत के कपड़ों को लेकर ताना मारा और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर चला गया।रंजिश यहीं खत्म नहीं हुई, 18 अप्रैल को जब जसवीर सिंह और उनका बेटा अमृत काम से घर लौट रहे थे, तभी पीएमश्री जीआईसी थारी के पास काले रंग की स्कूटी से आए अर्जुन सिंह ने अचानक उन पर तमंचे से फायर झोंक दिया। गनीमत रही कि गोली अमृत को नहीं लगी और वह किसी तरह अपनी जान बचाकर मौके से भाग निकला। बताया जा रहा है कि आरोपी ने दोबारा फायर करने की कोशिश भी की, लेकिन सफल नहीं हो सका।क्षेत्राधिकारी सुमित पांडे ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर धारा 173 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में फायरिंग की पुष्टि हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अर्जुन सिंह का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले भी फायरिंग के मामले में जेल की हवा खा चुका है। सीओ ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें गठित कर दी गई हैं और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने पुलिस की चौकसी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं स्थानीय लोगों में आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए भारी आक्रोश है।

युवक पर चाकू से हमला, उपचार के दौरान मौत

किच्छा। कोतवाली क्षेत्र के पुरानी गल्ला मण्डी वार्ड नंबर 16 निवासी एक युवक पर चाकू से किए गए जानलेवा हमले के मामले में शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है, वहीं पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विनीत कुमार पुत्र राकेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 17 अप्रैल 2026 की रात करीब 11:30 बजे उसका भाई दीपक कुमार अपनी आवास विकास क्षेत्र स्थित फास्ट फूड की दुकान बंद कर घर लौट रहा था। इसी दौरान बनखण्डी मंदिर के पीछे रास्ते में शिवा नामक युवक ने दीपक को रोककर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। विनीत के अनुसार मोहल्ले के ही सुरेन्द्र उर्फ काली और एक अन्य युवक सिलेंडर ने घर पहुंचकर सूचना दी कि शिवा दीपक के साथ मारपीट कर रहा है

और उसके पास चाकू भी है। सूचना मिलते ही विनीत अपने साथियों सुमित और आकाश के साथ मौके पर पहुंचा, जहां उन्होंने देखा कि शिवा उनके सामने ही दीपक पर चाकू से हमला कर रहा था। परिजनों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपी चाकू लहराते हुए मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल दीपक को परिजन तुरंत स्थानीय सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक देखते हुए उसे सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान शनिवार को दीपक ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस के अनुसार मामले में आरोपी शिवा के खिलाफ हत्या सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा। वहीं, इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

डॉ ऋतु एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

हल्द्वानी। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित अधिवेशन में राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी की डॉ ऋतु रखोलिया को एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया है। देवभूमि सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक्स उत्तराखंड द्वारा उन्हें यह सम्मान चिकित्सा के क्षेत्र में किए गए उनके उल्लेखनीय कार्यों और अकादमिक योगदान के लिए प्रदान किया गया है। वर्तमान में डॉ ऋतु रखोलिया मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी के बाल रोग विभाग में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। अधिवेशन के दौरान इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स उत्तराखंड के अध्यक्ष डॉ रवि सहोटा के साथ ही डॉ हंस वैश, डॉ शांतनु, डॉ राकेश और डॉ मधु रतूड़ी ने डॉ रखोलिया

को संयुक्त रूप से प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सकों ने उनके द्वारा बाल रोग चिकित्सा के क्षेत्र में दी जा रही सेवाओं की सराहना की और इसे अन्य चिकित्सकों के लिए प्रेरणादायी बताया। देहरादून में आयोजित इस महत्वपूर्ण अधिवेशन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया और चिकित्सा जगत की नई चुनौतियों व शोध कार्यों पर चर्चा की।

गेहूं तोल केंद्र पर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

किच्छा। वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह ने नगर के नवीन अनाज मंडी स्थित गेहूं तोल केंद्रों का निरीक्षण करते हुए तोल व्यवस्था, खरीद प्रक्रिया एवं किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों से

गेहूं खरीद की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का पूरा लाभ किसानों को उपलब्ध कराने की बात कही। भाजपा नेता संजीव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने किसान हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया है तथा धामी सरकार किसानों के लिए समर्पित सरकार है। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीद प्रक्रिया में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद किसानों से भी वार्ता कर जानकारी हासिल की। मौके पर किशनलाल मौर्य, राजकुमार, अमित कुमार, संतोष सिंह, संदीप कुमार, तुलसी मौर्य, संजय, राम किशन आदि थे।

सिक्स सिग्मा में जागरूकता सत्र का आयोजन

रूद्रपुर। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्थान में गुणवत्ता मानकों को सुदृढ़ करना और नेक (एनएएसी) प्रत्यायन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में ज्योति कॉलेज बरेली की आईक्यूएसी प्रमुख डॉ. चारु त्रिपाठी उपस्थित रहीं, जिन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थान के मूल्यांकन से जुड़ी बारीकियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।डॉ. चारु त्रिपाठी ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में नेक प्रत्यायन की संपूर्ण प्रक्रिया, गुणवत्ता सुधार के विभिन्न मापदंडों और शैक्षणिक

उत्कृष्टता प्राप्त करने के उपायों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने संकाय सदस्यों को नेक से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देशों, प्रलेखन प्रक्रिया और मूल्यांकन प्रणाली से अवगत कराते हुए बताया कि संस्थान के विकास के लिए इन मानकों का पालन करना कितना अनिवार्य है। लगभग 240 मिनट तक चले इस सत्र में सभी शिक्षकों की शत प्रतिशत उपस्थिति रही, जिनके लिए यह व्याख्यान ज्ञानवर्धक और उपयोगी सिद्ध हुआ।कार्यक्रम का सफल संचालन और समन्वय आईक्यूएसी समन्वयक साहिल छाबड़ा, रजत धवन और उनकी टीम जिसमें शिल्पा विश्वकर्मा, अंशिका बत्रा, प्रियरंजन तिवारी व अभिषेक कुमार शामिल थे, द्वारा किया गया। इस महत्वपूर्ण सत्र के दौरान संस्थान के चेयरमैन राजेश डावर, वाइस चेयरमैन प्रीत ग्रोवर, प्रबंध निदेशक सीए शिव अरोरा और निर्देशिका डॉ. सीमा अरोरा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।इसके साथ ही मैनेजमेंट सदस्य वंश डावर एवं शौर्य अरोरा, संस्थानाध्यक्ष ललित सिंह बिष्ट, कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य विवेक त्रिवेदी, उप प्रधानाचार्य मुकेश कुमार, सीएओ अनुभव बाठला, कार्तिक हालदार, शिवम शर्मा, डॉ. सुप्रीत कौर, सोनिया नारंग, डॉ. अक्षिता बांगा, मिली मंडल, कुमारी दिव्या सहित सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। संस्थान प्रबंधन ने इस आयोजन को शिक्षा की गुणवत्ता की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

तुलसी परिक्रमा के साथ अखण्ड महानाम संकीर्तन का समापन

रूद्रपुर। ट्रांजिट कैम्प स्थित श्री श्री राधा गोविंद मंदिर में आयोजित सार्वजनिक श्री श्री अखण्ड महानाम संकीर्तन का रविवार को विधि-विधान से पूजा-अर्चना और तुलसी परिक्रमा के साथ भव्य समापन हुआ। भक्ति और श्रद्धा के इस महाकुंभ में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रतिभाग कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इससे पूर्व शनिवार शाम

पूर्व विधायक एवं कांग्रेस नेता राजकुमार ठुकराल ने संकीर्तन में पहुंचकर संन्यासियों का आशीर्वाद लिया और संकीर्तन श्रवण किया। मंदिर पहुंचने पर संकीर्तन आयोजन समिति ने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल का भव्य स्वागत किया और उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए ठुकराल ने कहा कि महानाम संकीर्तन से न केवल मन को शांति मिलती है, बल्कि इससे संपूर्ण क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करते हैं और समाज में आपसी प्रेम व भाईचारे की भावना को बढ़ावा देते हैं। रविवार को विशेष पूजा और तुलसी परिक्रमा के बाद महाप्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक तिलकराज बेहड़, तरूण दत्ता, परिमल राय, अजय नारायण,मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पिंटू राय, सचिव एडवोकेट शुभम एम स्वर्णकार, उपाध्यक्ष कृष्ण पद विश्वास, कोषाध्यक्ष केना मण्डल, परितोष सरकार, अमित सरकार, बाबू सरदार, चिंतो मजूमदार, अमल राय, बृजेश मिस्त्री, बासू साहा, मंगल सरदार, संजीत सरकार, मनोज राय, खोखन बाछाड़, विश्वजीत सरकार, सुमित स्वर्णकार, शुभंकर राय, प्रसन्न जीत दास, सुशील मण्डल, शुभम दास, ब्रजेन मण्डल, अर्जुन विश्वास, गौतम सिकदार, नरेश सरकार, निमाई गोलदार, विप्लव हाल्दार, अशाक घोस, विभाष राय, राजेश विश्वास, सुजीत ढाली, विष्णु मण्डल, राजा सरकार, शुभम ढाली और प्रमोद मिस्त्री आदि मौजूद थे।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
डुप्लीकेट सुविधा भी उपलब्ध है।
05944-246817

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले)
लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी। डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

चारधाम यात्रा को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए सरकार ने कसी कमर

यात्रा मार्ग पर लगेंगे वाटर एटीएम, कूड़ा फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, मुख्यमंत्री ने दिये दिशा निर्देश

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा 2026 को पूर्णतः प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री आवास में शहरी विकास, पर्यटन तथा वन विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्लास्टिक बोतलों को हतोत्साहित करने के लिए यात्रा मार्ग पर जगह-जगह वाटर एटीएम एवं आरओ प्लांट स्थापित किए जाएं। उन्होंने कूड़ा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के साथ ही प्लास्टिक वेस्ट के लिए मनी बैक योजना को पूरे प्रदेश में लागू करने और हर दुकान पर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट अनिवार्य करने के निर्देश दिए हैं। चारधाम यात्रा रूट में पड़ने वाली ग्राम पंचायतें तथा अन्य संस्थाएं कूड़े एवं प्लास्टिक वेस्ट की ड्रोन के माध्यम से लगातार मॉनिटरिंग करेंगी, जिसके लिए एक अत्याधुनिक कमांड एंड कंट्रोल केंद्र भी स्थापित किया जाएगा।यात्रा मार्ग पर स्थित 30 नगर निकायों को मजबूत किया गया है ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर नागरिक सुविधाएं मिल सकें। सफाई व्यवस्था के लिए बड़ी संख्या में पर्यावरण मित्रों और अतिरिक्त सफाई कर्मियों की तैनाती की गई है, जिससे मार्ग, बाजार, घाट एवं सार्वजनिक स्थल स्वच्छ बने रहें। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 37 एमआरएफ केंद्र, 299 कम्पोस्ट पिट, 38 प्लास्टिक कम्पैक्टर मशीनें तथा 266 कचरा परिवहन वाहन तैनात किए गए हैं। श्रद्धालुओं के लिए सार्वजनिक शौचालयों का विस्तार करते हुए 74 मोबाइल शौचालय इकाइयां भी संचालित की जाएंगी। वाहनों के दबाव को देखते हुए व्यापक पार्किंग व्यवस्था विकसित की गई है और ठहरने के लिए होटल, लॉज एवं धर्मशालाओं में हजारों कमरों व बिस्तरों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। रात्रिकालीन सुरक्षा हेतु प्रमुख मार्गों पर 19,604 स्ट्रीट लाइटें स्थापित की गई हैं। चारधाम यात्रा को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 में हुई कार्रवाई के बाद अब वर्ष 2026 में इसे जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक अभियान बनाया जाएगा। यात्रा को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करने के लिए क्यूआर कोड आधारित फीडबैक प्रणाली, त्वरित सहायता केंद्र और कंट्रोल रूम सक्रिय रहेंगे। प्लास्टिक बोतलों के प्रबंधन के लिए डिजिटल डिपॉजिट रिफंड सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसे जिलाधिकारी एवं पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड क्रियान्वित करेंगे। एक अभिनव प्रयोग के तहत यात्रा मार्ग पर घोड़े-खच्चरों की लीद का पिरूल के साथ पैलेट तैयार कर प्रबंधन किया जाएगा। इस दौरान स्वयंसेवी संस्थाओं, एनसीसी कैडेट्स, महिला मंगल दलों और ग्राम पंचायतों के सहयोग से सतत जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री धामी ने जानकारी दी कि केदारनाथ धाम आने वाले श्रद्धालुओं को अब ठंडे पानी के स्थान पर शीघ्र ही 24घंटे गर्म पानी उपलब्ध कराया जाएगा। यह व्यवस्था पिरूल (चीड़ की पत्तियां) और खच्चरों की लीद से तैयार बायोमास पैलेट्स के माध्यम से संचालित गीजरों द्वारा की जाएगी। यह देश का पहला प्रयोग है, जहां इतनी ऊंचाई वाले क्षेत्र में चौबीसों घंटे गर्म पानी उपलब्ध कराया जाएगा। ये गीजर जीएमवीएन केदारनाथ एवं लिंचोली में लगाए जाएंगे। यह अभिनव प्रयोग केदारनाथ यात्रा मार्ग पर खच्चरों की लीद से होने वाली समस्या का समाधान करेगा, साथ ही जंगल की आग के प्रमुख कारण पिरूल से भी राहत दिलाएगा। इसके अतिरिक्त ट्रायल के तौर पर मार्ग में स्थित ढाबों को फायर पैलेट से चलने वाले चूल्हे भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जो ऊर्जा संकट के समय अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे और सफल परीक्षण के बाद इन्हें बड़े स्तर पर वितरित किया जाएगा। बैठक में राम सिंह कैड़ा, मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार (वर्चुअल), नितेश झा, सचिव, उत्तराखण्ड शासन, धीरज गर्ब्याल, सचिव, उत्तराखण्ड शासन, मधुकर पराग धकाते, सचिव, पर्यावरण / प्रदूषण नियंत्रण, विशाल मिश्रा, जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग (वर्चुअल), गौरव कुमार, जिलाधिकारी, चमोली (वर्चुअल), प्रशांत आर्य, जिलाधिकारी, उत्तरकाशी (वर्चुअल), मयूर दीक्षित, जिलाधिकारी, हरिद्वार (वर्चुअल), तथा श्री सविन बंसल, जिलाधिकारी, देहरादून (वर्चुअल) / मुख्य विकास अधिकारी, देहरादून उपस्थित रहे।

श्री श्याम कृपा महोत्सव में भजनों पर झूम उठे श्रद्धालु

इन्द्रा कालोनी में बाबा श्याम का भव्य संकीर्तन आयोजित

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। इन्द्रा कालोनी स्थित रामलीला मैदान में बाबा श्याम के लाडले परिवार की ओर से चतुर्थ भव्य श्री श्याम कृपा महोत्सव का सहभागिता की। उन्होंने बाबा श्याम की अखंड ज्योति के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और सभी के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर संकीर्तन में विख्यात भजन गायक विवेक शर्मा, अजय शर्मा और कान्हा व्यास ने अपनी मधुर वाणी से एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए। नरेश उत्साह के साथ भाग लिया और भक्ति के रंगों में सराबोर नजर आए। कार्यक्रम के अंत में बाबा श्याम की भव्य आरती की गई और छप्पन भोग लगाकर प्रसाद

आयोजन किया गया। संकीर्तन में पूरी रात श्यामप्रेमियों ने बाबा श्याम का भजनों से गुणगान किया और भक्ति रस में सराबोर रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गूगा लाल सिंगला एवं मनोज सिंगला ने विधि-विधान के साथ ज्योति प्रज्वलित करके किया। इस धार्मिक अनुष्ठान में पूर्व विधायक एवं कांग्रेस नेता राजकुमार ठुकराल ने भी आयोजकों ने राजकुमार ठुकराल को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजकुमार ठुकराल ने कहा कि बाबा श्याम की भक्ति मनुष्य को शांति और संबल प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि संकीर्तन जैसे आयोजन समाज में एकता और धार्मिक चेतना का संचार करते हैं। म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों की सुरीली धुनों और भजनों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और लोग देर रात तक झूमने पर मजबूर हो गए। पूरे आयोजन के दौरान बाबा श्याम के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण फूलों की होली रही, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़े वितरण किया गया। इस अवसर पर अंकित गुप्ता, रेखा अग्रवाल, राज अग्रवाल, वीरेन्द्र गुप्ता, सुरेश सचदेवा, मुकेश गोयल, चेतन चुघ, पंकज खुराना, आकाश अरोरा, विक्की चिलाना, शिव कुमार, दीपक नारंग, विजय छाबड़ा, उमेश कौशिक सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

सांसद अजय भट्ट ने केंद्रीय रेल मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली (उद संवाददाता)। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री व नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र से संबंधित विभिन्न समस्याओं से रेल मंत्री को अवगत कराया। शनिवार को हुई इस मुलाकात में

अजय भट्ट ने उत्तराखंड में संचालित हो रही रेल परियोजनाओं सहित भविष्य में संचालित होने वाली नई ट्रेनों के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की। सांसद ने क्षेत्र की रेल सुविधाओं में विस्तार और यात्रियों को होने वाली असुविधाओं के निराकरण के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक पत्र भी सौंपा। रेल मंत्री ने इन विषयों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

कमिश्नर ने जनसुनवाई में मौके पर किया कई मामलों का निस्तारण

भूमि विवाद और आर्थिक शोषण के मामलों पर आयुक्त दीपक रावत ने दिए सख्त निर्देश

हल्द्वानी। शनिवार को हल्द्वानी कैम्प कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आयुक्त एवं सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने जनता की समस्याएं सुनीं। इस दौरान मुख्य रूप से मामलों का मौके पर ही समाधान किया। घोड़ाखाल रोड भवाली निवासी जितेंद्र कुमार पुत्र पूरन चंद्र ने द्रोण कॉलेज आफ फार्मेसी रुद्रपुर से डी फार्मा करने के बाद ड्रग लाइसेंस हेतु ऑनलाइन आवेदन निवासी विद्यावती ने अवगत कराया कि उनके पति स्वर्गीय राजेश कुमार एक निजी कंपनी में विगत 15 वर्षों से कार्यरत थे, जिनका 26 दिसंबर 2025 को निधन हो गया। कंपनी मालिक ने पिछले 2 साल रजिस्ट्री अपने नाम होने का दावा कर रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दीपक रावत ने तहसीलदार रामनगर को जमीन की जांच कर वस्तुस्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। वहीं

भूमि विवाद, अवैध निर्माण, धोखाधड़ी से धनराशि हड़पने, अतिक्रमण, पारिवारिक विवाद और ओबीसी प्रमाण पत्र जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान कुमाऊं आयुक्त ने विभिन्न प्रकरणों पर सुनवाई की और कई किया था, लेकिन चालान बार बार निरस्त होने के कारण उन्हें परेशानी हो रही थी। जितेंद्र ने इस संबंध में कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत से शिकायत की थी। आयुक्त द्वारा मामले का संज्ञान लेने के बाद 17 अप्रैल, 2026 को संबंधित ड्रग लाइसेंस आवेदन अप्रूव हो गया है। इसी प्रकार मंगल पड़ाव मछली बाजार से उनके पति की तनख्वाह नहीं दी है। इस पर आयुक्त ने महिला को आश्वासन दिया कि उन्हें शीघ्र ही रुकी हुई सैलरी दिलवाई जाएगी।जमीन से जुड़े एक प्रकरण में रामनगर निवासी पार्वती रावत ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2008 में चंदन सिंह बिष्ट से जमीन खरीदी थी, लेकिन अब प्रताप सिंह रावत नामक व्यक्ति उस जमीन की बरेली रोड निवासी माया जोशी ने आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण निर्मला कान्वेंट स्कूल में पढ़ रहे अपने बच्चों की फीस जमा न कर पाने की समस्या रखी। इस पर आयुक्त ने स्कूल प्रबंधक से वार्ता कर मौके पर ही समस्या का समाधान कराया। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी शिकायतों को रखा।

साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक
जर्मन तथा सभी प्रकार के होम्योपैथिक व बायोकैमिक दवाईयों के विक्रेता

डॉ. यश पाण्डेय
होम्योपैथिक फिजिशियन
बी.एच.एम.एस., जयपुर
चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग | गुदा रोग | लिवर सम्बन्धि रोग
अन्य रोग • स्पान्डीलाईटिस • श्वास रोग • मोटापा • दमा • प्रोस्टेट • माइग्रेन • टान्सिल • एलर्जी • ब्रोनकाइटिस
बच्चों के रोग • पेट का दर्द • अपच • कान में संक्रमण / दर्द • खांसी • जुकाम • निमोनिया • बुखार • दांत निकलना
साहस होम्यो क्लीनिक
निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
मो. 9456727473, 9410514531

70 करोड़ से अधिक की जिला योजना अनुमोदित

प्रभारी मंत्री खजान दास की अध्यक्षता में हुई बैठक, 37 विभागों को आवंटित हुआ बजट

हल्द्वानी। जनपद प्रभारी मंत्री खजान दास की अध्यक्षता में शनिवार को प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र सभागार, बागजाला में जिला योजना समिति नैनीताल की बैठक संपन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जनपद नैनीताल की ₹7018.90 लाख की जिला योजना सर्वसम्मति से अनुमोदित की गई। इससे पूर्व जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए प्रस्तावित जिला योजना के बारे में सदन को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने अवगत कराया की जिला योजना में विभागों द्वारा माननीय जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों को प्रमुखता से शामिल करते हुए गत वर्ष के चालू कार्यों को पूर्ण करने के साथ ही बचनबद्ध एवं रोजगार परख योजनाओं को प्रमुखता से शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि जिले का बजट समानुपाती व प्रत्येक क्षेत्र के विकास हेतु प्रस्तावित किया गया है।सभी आठों विकासखंड को शामिल किया गया है मितव्ययिता का ध्यान रखा गया है। व पिछड़ क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए मुख्यधारा में लाए जाने हेतु योजनाओं को रखा गया है। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्यों की जियो टैगिंग भी की जाएगी। मुख्य

विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डे द्वारा सदन में विभागवार प्रस्तावित बजट अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया। जिसमें विभागों से आए अधिकारियों द्वारा विभाग के अंतर्गत विभिन्न मदों में प्रस्तावित योजनाओं व गत वित्तीय वर्ष की प्रगति की भी जानकारी सदन को दी गई। बैठक में गत वित्तीय वर्ष में जिले में सभी विभागों द्वारा शतप्रतिशत धनराशि का उपयोग करने पर माननीय मंत्री द्वारा सभी को बधाई दी।बैठक में कुल 37 विभागों को वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु बजट अनुमोदित किया गया। बैठक में जनपद प्रभारी मंत्री ने सभी विभागों से आए अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला योजना अंतर्गत प्राप्त धनराशि को समय पर शत प्रतिशत व्यय सुनिश्चित किया जाय।उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पूर्ण मितव्ययिता, पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समय बद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत योजनांतर्गत आवंटित धनराशि का शत-प्रतिशत व्यय इसी वित्तीय वर्ष में करना अनिवार्य होगा,इसका विशेष ध्यान रखना होगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो भी अधिकारी लापरवाही करेगा उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि जनता के हित में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी मिलकर आपसी समन्वय से कार्य करें। बैठक के दौरान माननीय मंत्री ने आगामी पर्यटन सीजन को देखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए की जनपद में आने वाले पर्यटकों के साथ ही विश्व प्रसिद्ध श्री कैंचीधाम मंदिर के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो इस हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं यथा समय सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा कि श्री कैंचीधाम के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को आसानी से बाबा के दर्शन हो जाए इसे हेतु वाहन पार्किग सहित क्षेत्र में सभी समुचित व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाय। जनपद प्रभारी मंत्री खजान दास ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा पेयजल को विशेष प्राथमिकता दी जाय, उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में जल जीवन मिशन अंतर्गत किए गए कार्यों की उपस्थिति जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई शिकायत की गंभीरता पूर्वक लेते हुए समय पर समस्या व शिकायतों के निस्तारण के निर्देश पेयजल विभाग के अधिकारियों को दिए उन्होंने कहा कि कार्य न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि धरातल पर कार्य दिखना चाहिए। उन्होंने सड़कों को गड्ढामुक्त रखने के भी निर्देश सभी सड़क निर्माण एजेंसियों को दिए। बैठक में विभिन्न सदस्यों द्वारा अपने क्षेत्र से संबंधित विभिन्न समस्याओं को माननीय मंत्री के सम्मुख प्रमुखता से रखा गया। बैठक में कुल 70 करोड़ 18 लाख 90 हजार रुपए की जिला योजना को अनुमोदित किया गया। जिसमें प्रमुख विभाग लोक निर्माण विभाग का 10 करोड़, जल संस्थान का 6 करोड़, युवा कल्याण का 5 करोड़ 80 लाख, सिंचाई विभाग का 4 करोड़ 25 लाख, उद्यान विभाग का 4 करोड़, पशुपालन विभाग का 3 करोड़ 10 लाख, नलकूप का 3 करोड़ 12 लाख, कृषि विभाग का 2 करोड़ 40 लाख, सहित विभिन्न विभागों के परिवहन को अनुमोदित किया गया। बैठक में माननीय कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, अध्यक्ष जिला पंचायत दीपा दरमवाल, विधायक कालाढूंगी बंशीधर भगत, रामनगर दीवान सिंह बिष्ट, लालकुआं डॉ मोहन सिंह बिष्ट, नैनीताल सरिता आर्या,भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, उत्तराखंड सरकार में दायित्वधारी डॉअनिल कपूर डब्बू, दिनेश आर्य, नवीन लाल वर्मा, ध्रुव रौतेला, भावना मेहरा, सांसद प्रतिनिधि गोपाल रावत, ओबीसी आयोग के सदस्य डॉ जेड ए वारसी, सभी आठों विकास खण्डों से आए क्षेत्र प्रमुख, समिति के अन्य सदस्य व विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने 'जंगल क्वेस्ट' में दिखाई अपनी प्रतिभा

विद्यालय में नर्सरी से कक्षा तीन तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुई रोमांचक गतिविधियां

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल में नर्सरी से कक्षा 3 तक के विद्यार्थियों के लिए एक रोमांचक और ज्ञानवर्धक गतिविधि जंगल क्वेस्ट का आयोजन किया गया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्रकृति, वन्य जीवों और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर को जंगल की थीम के अनुसार सजाया गया, जिससे बच्चों को वास्तविक जंगल जैसा अनुभव प्राप्त हुआ।नन्हे-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें जानवरों की पहचान करना, फिल्म, नृत्य, क्विज, रोल प्ले और खेल गतिविधियां शामिल रहीं। अलग-अलग जानवरों की वेशभूषा

पहनकर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया और शेर, हाथी, खरगोश व बंदर जैसे जीवों के बारे में रोचक बातें भी साझा कीं। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में टीम वर्क, आत्मविश्वास और सीखने की रुचि विकसित करने का प्रयास किया गया।विद्यालय के प्रबंधक डॉ0 दीपक बल्यूटिया, उप प्रधानाचार्य ममता तनेजा और को-ऑर्डिनेटर प्रियंका शर्मा ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि जंगल क्वेस्ट गतिविधि बच्चों के लिए ज्ञान और मनोरंजन का अद्भुत संगम साबित हुई है। इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों को सीखने के साथ-साथ आनंद भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आंधी तूफान के बीच लगी आग में दो एकड़ गेहूं की फसल राख

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। राधाकांतपुर गांव में देर रात आए आंधी तूफान के बीच एक बड़ा हादसा होते होते टल गया। तेज हवाओं के दौरान खेत के समीप लगे ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे निकली चिंगारी ने पास खड़ी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और किसान सत्येंद्र वैद्य की करीब दो एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर जुट गए और रात करीब 12 बजे के आसपास कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ग्रामीणों की तत्परता के चलते आग गांव की आबादी तक पहुंचने से पहले ही बुझा दी गई, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई। हालांकि तब तक किसान को भारी नुकसान हो चुका था। ग्रामीणों का

आरोप है कि घटना के दौरान कई बार अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई, लेकिन दमकल वाहन समय पर नहीं पहुंच सका। गांव के युवक दिलीप कुमार ने बताया कि बार बार सूचना देने के बावजूद मदद नहीं मिल पाई, जिससे लोगों में आक्रोश है।जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि तेज सिंह ने भी इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि समय पर दमकल न पहुंचना बेहद दुखद है। यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता, तो पूरा गांव इसकी चपेट में आ सकता था। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दिनेशपुर क्षेत्र में गेहूं की फसल कटाई पूरी होने तक 24 घंटे दमकल वाहन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से समय रहते निपटा जा सके।

रुद्रपुर में बंग भवन के लिए नई भूमि चिन्हित

पुराने कोषागार भवन पर बनेगी आधुनिक सुविधा युक्त दो मंजिला इमारत,महापौर ने विधायक और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किया स्थलीय निरीक्षण

रुद्रपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा को धरातल पर उतारने के लिए नगर निगम ने तेजी से कवायद शुरू कर दी है। इसी क्रम में बंगाली समाज की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए बंग भवन के लिए नया स्थान चिन्हित कर लिया गया है। महापौर विकास शर्मा ने विधायक शिव अरोरा, प्रशासनिक अधिकारियों और बंगाली समाज के प्रतिनिधियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर स्थल का चयन किया और अधिकारियों को शीघ्र डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए। विदित हो कि बंगाली समाज लंबे समय से जिला मुख्यालय पर बंग भवन के निर्माण की मांग करता आ रहा है। महापौर विकास शर्मा के प्रयासों से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस भवन के निर्माण की सार्वजनिक घोषणा की थी, जिसके तहत प्रथम किश्त भी जारी की

जा चुकी है। पूर्व में नगर निगम द्वारा मोदी मैदान के पास भूमि चिन्हित की गई थी, लेकिन तकनीकी अड़चनों के चलते भूमि हस्तांतरण संभव नहीं हो पाया। इसके बाद वैकल्पिक स्थान को लेकर पुनः मंथन किया गया। शनिवार शाम महापौर ने विधायक शिव अरोरा, दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, एडीएम पंकज उपाध्याय, तहसीलदार दिनेश कुटोला तथा बंगाली समाज के गणमान्य लोगों के साथ किच्छा बाईपास रोड स्थित आकांक्षा ऑटोबाइल के सामने उस भवन का निरीक्षण किया, जहां पूर्व में कोषागार कार्यालय संचालित होता था। यह भवन वर्तमान में जर्जर स्थिति में है। विस्तृत निरीक्षण और विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से इस स्थान को बंग भवन के लिए उपयुक्त माना गया और इसे अंतिम रूप से चिन्हित कर लिया गया। महापौर विकास शर्मा ने बताया कि लगभग 1400 वर्ग फीट क्षेत्रफल में बने पुराने भवन को ध्वस्त कर यहां अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित दो मंजिला भवन का निर्माण कराया जाएगा। प्रस्तावित भवन में बेसमेंट पार्किंग की व्यवस्था के साथ सामुदायिक कार्यक्रमों, सांस्कृतिक आयोजनों और बैठकों के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शीघ्र डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी जाए, ताकि स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा सके। महापौर ने कहा कि यह केवल एक भवन का निर्माण नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक एकता को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि बंग भवन बंगाली समाज के लिए ऐतिहासिक सौगात साबित होगा, जहां उनकी सांस्कृतिक गतिविधियों को एक सशक्त मंच मिलेगा। आगे कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन और सहयोग से रुद्रपुर में विकास कार्यों को नई गति मिली है। शहर को सुनियोजित और आधुनिक स्वरूप देने के लिए लगातार योजनाएं तैयार की जा रही हैं और आने वाले समय में कई बड़ी परियोजनाएं धरातल पर उतरेंगी। महापौर ने स्पष्ट कहा कि रुद्रपुर के समग्र विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और प्रत्येक वर्ग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

उत्तरांचल दर्पण
सम्पादकीय सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

जमीनी लोकतंत्र का पुनर्सशक्तिकरण

'भारत की आत्मा गांवों में बसती है', यह विचार केवल एक भावनात्मक कथन नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था का मूल दर्शन भी है। इसी दर्शन को साकार रूप देने के लिए पंचायती राज प्रणाली को विकसित किया गया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतंत्र की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो सके। आज जब हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज चुनावों की प्रक्रिया पुनः सक्रिय हो रही है, तब इस व्यवस्था की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों का पुनः आयोजन केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का महत्वपूर्ण आयाम है। आपदा प्रबंधन अधिनियम के कारण स्थगित हुए ये चुनाव अब माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के पश्चात सुनिश्चित हो पाए हैं, जो यह दर्शाता है कि भारतीय लोकतंत्र में स्थानीय स्वशासन की निरंतरता कितनी अनिवार्य मानी जाती है। वर्ष 2021 की जनगणना कोरोना के कारण नहीं हो पाई थी, अतः वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर जारी रोस्टर के तहत होने जा रहे ये चुनाव एक बार फिर ग्रामीण भारत की उस जीवंत परंपरा को सुदृढ़ करेंगे, जहां शासन की वास्तविक शक्ति जनता के हाथों में निहित होती है। हिमाचल जैसे भौगोलिक रूप से जटिल राज्य में पंचायती राज संस्थाएं केवल प्रशासनिक इकाइयां नहीं, बल्कि विकास, सहभागिता और सामाजिक समरसता की धुरी हैं। भारतीय लोकतंत्र की जड़ें गांवों में निहित हैं और पंचायती राज उसी जड़ प्रणाली को पोषित करने वाला तंत्र है, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी। पंचायती राज की अवधारणा कोई आधुनिक प्रयोग नहीं, बल्कि प्राचीन भारतीय परंपरा का ही विकसित स्वरूप है, जहां 'पंच' निष्पक्ष न्याय और सामूहिक निर्णय का प्रतीक हुआ करते थे। आधुनिक भारत में इस व्यवस्था को वैचारिक दिशा महात्मा गांधी ने दी, जिन्होंने 'ग्राम स्वराज' के माध्यम से आत्मनिर्भर और स्वशासी गांवों का स्वप्न देखा। उनका स्पष्ट मानना था कि जब तक भारत के गांव सशक्त नहीं होंगे, तब तक सच्चे अर्थों में लोकतंत्र की स्थापना संभव नहीं है। इसी सोच को संवैधानिक आधार प्रदान करते हुए संविधान के अनुच्छेद 40 में राज्य को निर्देश दिया गया कि वह ग्राम पंचायतों का संगठन करे और उन्हें आवश्यक शक्तियां प्रदान करे। हालांकि प्रारंभिक वर्षों में पंचायती राज संस्थाएं अपेक्षित सशक्तिकरण प्राप्त नहीं कर सकीं, लेकिन 1992 में हुए 73वें संविधान संशोधन ने इस दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन लाया। इस संशोधन के माध्यम से संविधान में नया भाग जोडकर पंचायतों के गठन, अधिकार, संरचना और कार्यप्रणाली को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया। इसके साथ ही ग्यारहवीं अनुसूची के अंतर्गत 29 विषयों को पंचायतों को सौंपा गया, जिससे उन्हें विकास कार्यों में वास्तविक भागीदारी मिली। यह संशोधन भारतीय लोकतंत्र के विकेंद्रीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ, जिसने सत्ता को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया। पंचायती राज की तीन–स्तरीय संरचना जिसमें गांव स्तर पर ग्राम पंचायत, खंड स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद व्यवस्था ने ग्रामीण प्रशासन को अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बनाया है। हिमाचल प्रदेश में यह व्यवस्था विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां के दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की आवश्यकता को और अधिक प्रासंगिक बनाते हैं। 1994 के पंचायती राज अधिनियम के तहत राज्य में इन संस्थाओं को संगठित किया गया, जिससे ग्रामीण विकास योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक सुगमता से संभव हो सका।

कूड़ेदानों की विदाई और स्वच्छता की नई अंगड़ाई

अल्मोड़ा में नगर निगम का मास्टरप्लान, डस्टबिन मुक्त होगा बाजार

■ रमेश जड़ौत

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। पहाड़ की सांस्कृतिक राजधानी अल्मोड़ा अपनी संकरी गलियों और ऐतिहासिक विरासत के लिए विख्यात है, लेकिन लंबे समय से कूड़े की अव्यवस्था और बंदरों के आतंक ने इसकी सुंदरता को प्रभावित किया था। अब नगर निगम इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए एक प्रभावी मास्टरप्लान लेकर आया है, जो बाजार की सूरत बदलने की क्षमता रखता है। नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा की इस नई योजना के तहत डस्टबिन को सड़क से हटाकर सीधे दुकान की दहलीज तक पहुँचाने की तैयारी की गई है।अक्सर देखा जाता था कि सड़कों पर रखे बड़े लोहे के कूड़ेदान गंदगी का केंद्र बन जाते थे, जहाँ बंदर और आवारा पशु कचरा फैला देते थे। इससे सफाई के कुछ ही देर बाद बाजार फिर बदहाल नजर आता था। अब इस पुरानी और नाकाम व्यवस्था को पूरी तरह विदा किया जा रहा है। योजना

के अनुसार, नगर निगम प्रत्येक दुकानदार को उसकी जरूरत के हिसाब से संसाधन उपलब्ध कराएगा। सामान्य दुकानदारों को गीले और सूखे कूड़े के लिए दो अलग–अलग डस्टबिन दिए जाएंगे, जबकि कपड़ा व्यापारियों को एक डस्टबिन प्रदान किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि कचरा सड़क पर आने के बजाय दुकान के भीतर ही सुरक्षित तरीके से संग्रहित हो सके।इस मास्टरप्लान की सफलता के लिए कूड़ा संग्रहण का नया समय निर्धारित किया गया है। अब नगर निगम के कूड़ा वाहन दिन में दो बार सीधे दुकानों तक पहुँचेंगे, जिससे व्यापारियों को कूड़ा फेंकने के लिए कहीं दूर नहीं जाना होगा। पहली शिफ्ट सुबह की होगी, ताकि बाजार खुलते ही रात भर का जमा कचरा साफ हो जाए। दूसरी शिफ्ट शाम को बाजार बंद होने के समय रखी गई है, जिससे दिन भर की गंदगी का तुरंत निपटारा हो सके।नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक डस्टबिन हटने से बंदरों का आकर्षण कम होगा, जिससे बाजार में ग्राहकों की चहल–पहल सुरक्षित और व्यवस्थित होगी। अब इस बदलाव को सफल बनाने की जिम्मेदारी अल्मोड़ा के जागरूक व्यापारियों के कंधों पर है। यदि हर दुकानदार अपने निजी डस्टबिन का ईमानदारी से उपयोग करे, तो अल्मोड़ा का बाजार स्वच्छता का नया मॉडल बनेगा। यह पहल अल्मोड़ा के नागरिक बोध की परीक्षा है और उम्मीद है कि सांस्कृतिक नगरी स्वच्छता के मोर्चे परभी मिसाल पेश करेगी।

शक्तिफार्म में 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं शुरू

मंत्री सौरभ बहुगुणा की पहल से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत

शक्तिफार्म। क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अब शक्तिफार्म के सरकारी अस्पताल में 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। यह महत्वपूर्ण पहल कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के निर्देश पर अमल में लाई गई है, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इमरजेंसी ड्यूटी का रोस्टर जारी कर दिया है। नई व्यवस्था के लागू होने से अब क्षेत्र के लोगों को चिकित्सा सेवाओं के लिए इधर–उधर भटकना नहीं पड़ेगा। विशेष रूप से एफआईआर के दौरान पॉक्सो जांच या अन्य मेडिकल परीक्षण के लिए अब सितारगंज जाने की आवश्यकता समाप्त हो गई है। यह

सभी सुविधाएं अब शक्तिफार्म के सरकारी अस्पताल में ही चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, जिससे समय और परेशानी दोनों में कमी आएगी। शनिवार को चिकित्साधीक्षक डॉ. कुलदीप यादव ने 18 से 30 अप्रैल तक के लिए चिकित्सकों की इमरजेंसी ड्यूटी निधारित करते हुए रोस्टर जारी किया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार प्रत्येक दिन के लिए डॉक्टरों की जिम्मेदारी तय कर दी गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके। इस पहल का क्षेत्रवासियों ने स्वागत करतेहुए इसे स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम बताया है। लोगों का कहना है कि खासतौर पर रात के समय यह सुविधा मरीजों और उनके परिजनों के लिए बेहद राहतकारी साबित होगी।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना प्राथमिकता: बहुगुणा

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि क्षेत्र की जनता को बेहतर

और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शक्तिफार्म में 24 घंटे चिकित्सा सुविधा शुरू होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और अब उन्हें छोटे- छोटे कार्यों के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

नारी शक्ति के प्रतिनिधित्व को अस्वीकारने की भूल

संसदीय विपक्ष ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिषत आरक्षण देने से जुड़े संविधान संषोधन परिसीमन और केंद्र षासित क्षेत्र कानून संषोधन विधेयकों को अस्वीकारने की बड़ी भूल कर दी है। नरेंद्र मोदी जब से केंद्रीय सत्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, तभी से लगातार उन्हें चुनावों में नारियों ने बढ़–चढ़कर समर्थन दिया है। इसी कारण न केवल मोदी लोकसभा में तीसरी बार बहुमत लाने में सफल रहे बल्कि भाजपा और राजग गठबंधन के सहयोगी दलों को विधानसभाओं में भी विजय दिलाने में सफल हुए हैं। इन विधेयकों पर लगातार 21 घंटे चर्चा हुई इसके बाद मतदान की बारी आई। सत्ता पक्ष को 528 मतों में से 298 मत मिले, जबकि विरोध में 230 मत डाले गए। अतएव किसी भी संशोधन के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत राजग को नहीं मिला। इस बहुमत के लिए 352 मतों की जरूरत थी। अंततः नतीजा रहा कि संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। इस विधेयक को लाने की तीन दशक से चल रही कोशिश एक बार फिर लटक गई। इस परिणाम के चलते 2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा नहीं मिल पाएगी, क्योंकि सरकार ये संशोधन इसलिए ला रही थी, ताकि आरक्षण जल्द से जल्द लागू हो सके। फिलहाल नारी शक्ति वंदन अधिनियम–2023 लागू है। इसमें प्रावधान है कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण अगली जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन के आधार पर लागू होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि जनगणना के अंतिम परिणाम 2027 में आएंगे। तब कहीं जाकर पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया संभव होगी। इस परिसीमन को लेकर ही संषोधन विधेयक अटक गए हैं। हालांकि सत्ता पक्ष ने भरोसा दिलाया था कि सीटें बढ़ेगी तभी महिलाओं के लिए आरक्षण का सही लाभ मिलेगा और सभी राज्यों में एक समान रूप से 50 प्रतिषत सीटों की बढ़ोत्तरी होगी। अमित षाह ने इस दलील को विधेयक में दर्ज करने की मंषा भी प्रकट कर दी थी। लेकिन विपक्ष की यह आषंका बनी रही कि परिसीमन के बहाने सीटों की संरचना कुछ इस तरह से निधारित होगी कि भाजपा समर्थित वोट बड़ी संख्या में क्षेत्र में समा जाए। लेकिन विपक्ष को सरकार द्वारा जताया गया कोई भी फार्मूला रास नहीं आया। दरअसल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों के दल प्रमुखों ने यह अंदाजा लगा लिया कि इन प्रांतों में जनसंख्या कम होने के कारण राजनीतिक रूप से वे नुकसान में रहेंगे। अतएव तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तो परिसीमन को लेकर दक्षिण में मोर्चाबंदी भी षुरू कर दी थी। राज्य में काले झंडे लेकर प्रदर्षन करने का ऐलान तक कर दिया था। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने इस पहल को संघीय ढांचे को कमजोर करने और दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक आवाज को दबाने वाला कदम बता दिया था और तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री षिवकुमार ने कहा था कि इतना बड़ा संवैधानिक बदलाव सभी दलों की सहमति के बिना संभव नहीं है। इन साझा आवाजों की बुलंदी ने इन विधेयकों को पारित नहीं होने दिया। नारी शक्ति यदि वाकई इसे विपक्ष की भूल मानती है तो वर्तमान में चल रहे विधानसभा चुनावों में इसका असर असम, बंगाल और तमिलनाडु में देखने को मिल सकता है। इन विधेयकों को अटकाने के लिए विपक्ष ने कोटे में कोटा देने का उपाय की भी मांग कर डाली। मायावती ने इस विधेयक का स्वगत करते हुए कहा कि 33 प्रतिषत कोटे में एससी–एसटी और ओबेसी की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था हो। आरक्षण के कोटे में विभिन्नि वर्गों के लिए अलग से आरक्षण लागू करने की यह बात विपक्ष ने उस समय नहीं उठाई थी, जब 2023 में इस विधेयक को लाया गया था। जबकि परिसीमन विधेयक पारित हो जाता तो सामाजिक न्याय की दिषा में एक बड़ा काम होता। क्योंकि 128वां संवैधानिक संषोधन विधेयक पारित होने के बाद संसद के दोनों सदनों से लेकर विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिषत तय हो जाती। विधेयक के कानून में बदलने और क्रियान्वित होने के बाद वर्तमान स्थिति के हिसाब से लोकसभा में महिलाओं के लिए 181 और राज्य विधानसभाओं में 1374 सीटें बढ़ जाती। इस समय देष में करीब 44 करोड़ महिला मतदाता हैं। इन्हीं में से 2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाएं उम्मीदवार बनाई जातीं। 2034 में क्या स्थिति बनेंगी, यह भविष्य के गर्भ में है। दरअसल इन विधेयकों के कानून बनते ही ऐसे कई दोहरे चरित्र के चेहरे हाशिये पर चले जाएंगे, जो पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान के बहाने, गाहे–बगाहे बीते 27 साल से गतिरोध पैदा किए हुए हैं। विधेयक से असहमत दलों की हमेषा ही 33 फीसदी आरक्षण के कोटे में पिछड़े और मुस्लिम समुदायों की महिलाओं को आरक्षण की मांग बनी रही है। जबकि संविधान के वर्तमान स्वरूप में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति के समुदायों को आरक्षण की सुविधा हासिल है। ऐसे में मुस्लिम समुदाय की महिलाओं को कोटे में कोटा देना कैसे संभव है ? हमारे लोकतांत्रिक संविधान में धार्मिक आधार पर किसी भी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लिहाजा इस बिना पर मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण की सुविधा कैसे हासिल हो सकती है ?दरअसल इस कानून के वजूद में आ जाने के बाद अस्तित्व का संकट उन काडर विहीन दलों को है, जो व्यक्ति और जाति आधारित दल हैं। इसी कारण लालू, मुलायम और शरद यादव इस बिल के विरोध में दृढ़ता से खडे होते रहे थे। अब इसी लाइन पर राहुल गांधी, अखिलेष यादव और मायावती हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में जातियता के बूते क्रियाशील इन यादवों की तिकड़ी का दावा रहता है कि इस अलोकतांत्रिक विधेयक के पास होने के बाद पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के लिए जम्हूरियत के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे। जबकि उनकी वास्तविक चिंता यह नहीं है ? दरअसल 33 फीसदी आरक्षण के बाद बाहुबलि बने पिछड़े वर्ग के आलाकमानों का लोकसभा व विधानसभा क्षेत्रों में राजनीतिक आधार तो सिमटेगा ही, सदनों में संख्याबल की दृष्टि से भी इन दलों की ताकत घट जाएगी। अन्यथा ये सियासी दल वाकई उदार और पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के ईमानदारी से हिमायती हैं, तो सभी आरक्षित सीटों पर इन्हीं वर्गों से जुड़ी महिलाओं को उम्मीदवार बना सकते हैं ? बल्कि अनारक्षित सीटों का भी इन्हें प्रतिनिधित्व सौंप सकते हैं ? दरअसल इन कुटिल राजनीतिज्ञों के दिखाने और खाने दांत अलग–अलग हैं। गोया तय है कि अल्पसंख्यकों की बेहतर नुमाइंदगी की वकालात के इनके दावे थोथे हैं। इन दलों का दोहरा चरित्र इस बात से भी जाहिर होता रहा है कि जब देश की पंचायती राज्य व्यवस्था में महिलाओं का 33 फीसदी से 50 फीसदी आरक्षण बढ़ाने का विधेयक लाया गया था, तब ये सभी दल एक राय थे। यही नहीं जब नगरीय निकायों में महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण का विधेयक लाया गया था, तब भी इन दलों की सहमति बनी रही। लेकिन जब लोकसभा व विधानसभा की बारी आती है तो यही दल गतिरोध पैदा करने लग जाते हैं। क्योंकि इस विधेयक के लागू होते ही इनके निजी राजनीतिक हित प्रभावित हो जाएंगे। इनका लोकसभा और विधानसभा में पुरूषवादी वर्चस्व का दायरा 33 फीसदी घट जाएगा। राजनेताओं के लिए यह विधेयक इसलिए भी वजूद का संकट है, क्योंकि जिन लोक व विधानसभा क्षेत्रों से ये लोग लगातार विजयश्री हासिल करते चले आ रहे हैं, वह क्षेत्र यदि महिला आरक्षण के दायरे में आ गया तो इन्हें चुनाव लड़ना भी मुश्किल हो जाएगा ? तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी ने भी मुस्लिम समुदाय को बरगलाए रखने के नजरिये से इस विधेयक का विरोध किया था। भ्रष्टाचार में लिप्त ऐसे नेता भी इस विधेयक का विरोध करते रहे थे। जिनके लिए सांसद अथवा विधायक के रूप में लोक सेवक बने रहना, सुरक्षा कवच का काम करता है। हमारे देश में विकास को आंकड़ों और व्यक्तिगत उपलब्धि को संख्या बल की दृष्टि से देखने–परखने की आदत बन गई है। इस नाते हम मानकर चल रहे हैं कि 543 सदस्यीय लोकसभा में 181 महिलाओं की आमद दर्ज होने और 28 राज्यों की कुल 4123 विधानसभा सीटों में से महिलाओं के खाते में 1374 सीटें चली जाने से देश की समूची आधी आबादी की शक्ल बदल जाएगी। अथवा स्त्रीजन्य विषमताएं व भेदभाव समाप्त हो जाएंगे। फिलहाल लोकसभा में 74 महिलाएं सांसद हैं। यह भागीदारी लगभग 14 प्रतिशत बैठती है। वहीं राज्यसभा में 42 महिला सांसद हैं, जो मात्र 17 प्रतिशत है। एक तिहाई आरक्षण लागू होने के बाद लोकसभा में महिलाओं की संख्या बढ़कर 181 और राज्यसभा में 73 हो जाएगी। 1952 में गठित पहली लोकसभा में सिर्फ 4.4 प्रतिषत यानी 489 में से महज 22 महिलाएं सांसद थीं। विधानसभाओं में महिला विधायकों की उपस्थिति केवल 9 फीसदी है। अब 2027 में 2011 की जनगणना के आंकड़े आने के बाद नए परिसीमन में लोकसभा और विधानसभाओं की सीटें अप्रत्याषित रूप में बढ़ सकती हैं, तब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की षक्ति तो बढ़ेगी ही, दोहरे चरित्र के नेता भी हाषिए पर चले जाएंगे।

प्रमोद भार्गव, लेखक/पत्रकार

बाल विवाह रोकने के लिए आयोजित हुई कार्यशाला

किच्छा। बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति एवं अपराध है और बाल विवाह में शिरकत करने वाले दूल्हा-दुल्हन पक्ष के अलावा बाल विवाह में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को जुर्माने के साथ-साथ 2 वर्ष की सजा का प्रावधान है। उक्त वक्तव्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी केव केव अग्रवाल ने नगर के किशनपुर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डेवलपमेंट संस्था के तत्वाधान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला कार्यक्रम में व्यक्त किए। आईएसडी संस्था के बैनर तले महिला स्वास्थ्य सशक्तिकरण, बाल विकास विभाग, जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन एलाइंस के सहयोग से बाल विवाह की रोकथाम के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी कैलाश कुमार अग्रवाल, अपर सीएमओ डॉ हरेंद्र मलिक, जिला कार्यक्रम अधिकारी मुकुल चौधरी, जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन, बाल समिति सदस्य चंद्रकला, आईएसडी संस्था के अध्यक्ष डॉ अमित कुमार श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक श्रीमती बिंदुवासिनि ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह एक जघन्य अपराध है और हम सभी को मिलकर इसे जड़ से खत्म करना होगा। कहा कि आधुनिक युग में भी बाल विवाह समाप्त नहीं होना शर्म की बात है तथा बाल विवाह की रोकथाम से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को भी कम किया जा सकता है। वक्ताओं ने कहा कि कम उम्र में विवाह करने से बालिका के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, जिसके लिए हम सभी को जागरूकता फैलानी होगी। उन्होंने कहा कि बाल विवाह करवाने में साथ देने तथा कार्यक्रम में किसी भी रूप में उपस्थित होने वाला व्यक्ति बाल विवाह के अपराध में शामिल माना जाएगा तथा प्रत्येक व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। संस्था अध्यक्ष डॉ अमित श्रीवास्तव ने बताया कि विगत करीब 20 वर्षों से आईएसडी संस्था लगातार बाल विवाह एवं बाल अपराध के खिलाफ कार्य कर रही है तथा हमारा उद्देश्य है कि जागरूकता से बाल अपराधों को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाए। बताया कि संस्था द्वारा जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों एवं धर्म गुरुओं को साथ लेकर निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है तथा हजारों लोगों को अब तक बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई गई है। परियोजना निदेशक बिंदुवासिनी ने बताया कि विशेष रूप से अक्षय तृतीया जैसे अवसरों पर शुभ दिन मानकर अधिकांश विवाह कार्यक्रम संपन्न होते हैं तथा इस दिन बाल विवाह होने की आशंका अधिक रहती है, इसलिए प्रशासन के सहयोग से संस्था द्वारा विशेष सतर्कता अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर चाइल्ड लाइन जिला कोऑर्डिनेटर चांदनी, बाल विकास सुपरवाइजर आशा अधिकारी, नीमा, सुनीता, शबनम, रेखा, रविंद्र, संगीता, बिंद्रा देवी, चंद्रप्रकाश, शालू, सीमा, रोहिणी सहित आंगनवाड़ी एवं आशा वर्कर तथा सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने शिरकत की।

बाबा गुरबचन सिंह की स्मृति में 'मानव एकता दिवस' 24 को

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में 'मानव एकता दिवस' 24 अप्रैल को श्रद्धा, समर्पण और प्रेममय वातावरण में आयोजित किया जाएगा। जो सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में दिल्ली के बुराड़ी स्थित सरोवर के सम्मुख ग्राउंड नं. 2 में आयोजित होगा। यह पावन अवसर केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति का उत्सव होगा, जो प्रत्येक हृदय को ईश्वरीय एकत्व के अनुभव से जोड़ते हुए आंतरिक शांति और संतोष की अनुभूति कराएगा। इसी क्रम में भी हल्द्वानी में भी 24 अप्रैल दिन शुक्रवार को मानव एकता दिवस के रूप एक विशाल समागम का आयोजन निरंकारी सत्संग भवन गोजाजाली बरेली रोड में सायं 5 से सायं 7बजे तक होगा जिसमे आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालु भक्त एकत्रित होकर इस दिव्य सत्संग को गहन आत्मिक भाव से साकार करेंगे।यह पावन दिवस बाबा गुरबचन सिंह जी एवं चाचा प्रताप सिंह जी की दिव्य स्मृति को समर्पित है, जिनका सम्पूर्ण जीवन त्याग, समर्पण और निःस्वार्थ सेवा की अद्वितीय मिसाल रहा है। उन्होंने अपने आचरण और विचारों के माध्यम से मानवता को प्रेम, विनम्रता और परोपकार का सच्चा मार्ग दिखाया। उनके दिव्य आदर्श आज भी प्रत्येक हृदय में सेवा, भक्ति और एकत्व की ज्योति प्रज्वलित करते हैं, और मानव मात्र को यह प्रेरणा देते हैं कि सच्ची साधना केवल शब्दों में नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा, करुणा और आपसी भाईचारे के भाव में निहित हैं। संत निरंकारी मण्डल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा के अनुसार, संत निरंकारी चौरिटेबल फाउंडेशन के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों में हजारों श्रद्धालु निःस्वार्थ भाव से रक्तदान कर मानव जीवन की रक्षा हेतु अपना अमूल्य योगदान अर्पित करेंगे। उल्लेखनीय है कि संत निरंकारी मिशन रक्तदान के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है जहां 4 दशकों से रक्तदान का आयोजन किया जा रहा है। मिशन का स्वयं का ब्लड बैंक मुंबई में निरंतर परोपकार और सेवा-भाव के साथ अपने आचरण और विचारों के माध्यम से मानवता को प्रेम, विनम्रता और परोपकार का सच्चा मार्ग दिखाया।

राजन मंडल और प्रदीप बढ़ई का जोरदार स्वागत

नानकमत्ता।वैश्विक मानवाधिकार श्रमिक सुरक्षा परिषद के नवनियुक्त वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजन मंडल तथा विधानसभा अध्यक्ष प्रदीप बढ़ई का आज यहां कार्यकताओं ने फूलमालाओं से स्वागत कर उन्हें उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। रविवार को टैगोर नगर में वैश्विक मानवाधिकार श्रमिक सुरक्षा परिषद के नवनियुक्त वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजन मंडल तथा विधानसभा अध्यक्ष प्रदीप बढ़ई का ग्रामीणों तथा कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राजन मंडल तथा प्रदीप बढ़ई की नियुक्ति से संगठन को मजबूती मिलेगी और परिषद विस्तार को गति मिलेगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजन मंडल ने कहा कि परिषद सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए कई आयोजन करेंगी। विधानसभा अध्यक्ष प्रदीप बढ़ई ने कहा कि जल्द ही परिषद कार्यकारिणी का गठन कर उसमें कर्मठ और समाजसेवी युवाओं को दायित्व प्रदान करेगी। इस दौरान मिष्ठान भी वितरित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से योगेश पोद्दार, करन शील, किशोर विश्वास, हितेश शील, दिलीप मंजूदार, संजीव बढ़ई, जयदेव तालुकदार तथा अभिषेक शील घ्सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

नारायण हालदार फिर बने कांग्रेस नगर अध्यक्ष

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजनीतिक दलों ने संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में उत्तराखंड कांग्रेस द्वारा नगर अध्यक्षों की नई सूची जारी की गई है, जिसमें दिनेशपुर नगर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी एक बार फिर डॉ नारायण हालदार को सौंपी गई है। यह उनका लगातार दूसरा कार्यकाल होगा। जानकारी के अनुसार यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और जिला अध्यक्ष हिमांशु गावा की संस्तुति पर की गई है। संगठन में उनकी सक्रियता और अनुभव को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन पर दोबारा विश्वास जताया है।डॉ नारायण हालदार को पुनः नगर अध्यक्ष बनाए जाने पर नगर कांग्रेस कमेटी में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उनका भव्य स्वागत किया गया। समारोह में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री ममता हालदार, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता तारक बाहाड़, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव किशोर हालदार, आशुतोष राय, लक्ष्मी राय और अजय कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।इस दौरान वक्ताओं ने विश्वास जताया कि डॉ नारायण हालदार के नेतृत्व में संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा आगामी चुनावों में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी। वहीं डॉ नारायण हालदार ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे कार्यकर्ताओं के सहयोग से संगठन को मजबूत करने के साथ ही जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने का कार्य करेंगे।

पेज एक का शेष...

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के....और एसएसपी का घेराव करेंगे। इससे पूर्व विधायक श्री बेहड़ की अगुवाई में कार्यकर्ता भाजपा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कोतवाली पहंचे। श्री बेहड़ ने कहा कि बंगाली समाज के चहुंमुखी विकास में केवल कांग्रेस का ही योगदान रहा है। भाजपा ने इस समाज को केवल झूठे आश्वासन ही दिये हैं। उन्होंने कहा कि देश एवं उत्तराखण्ड में कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गांधी द्वारा बंगाली समाज के लोगों को जमीन देकर बसाया गया था। जबकि भाजपा ने इस समाज को केवल झूठे आश्वासन ही दिये है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कई नेताओं ने बंगाली समाज को घुसपैठिया बताकर देश से बाहर निकालने की बात भी कह दी। श्री बेहड़ ने कहा कि बंगाली समाज की जातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने के लिए भाजपा सरकार पिछले कई दशकों से कोरे आश्वासन ही दे रही है। यह कार्य केवल कांग्रेस के शासन में ही सम्भव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एवं पार्टी के सभी नेताओं ने हमेशा से ही बंगाली समाज का सम्मान किया है। जो विरोधी लोग पचा नहीं पा रहे है। अब वह एआई का दुरूपयोग कर सोशल मीडिया पर फर्जी एकाउंट बनाकर कांग्रेस नेताओं को लेकर भ्रामक दुष्प्रचार करने लगे है। यदि ऐसे नेताओं में हिम्मत है तो सामने आकर राजनैतिक मुकाबला करें। उन्होंने कहा कि यदि बंगाली समाज के भाजपाईयों को पुतले ही फूंकने हैं तो अपने नेताओं व सरकार के फूंके जो उनके समाज को लम्बा अर्सा बीत जाने के बाद भी अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं दिला पाये। इस दौरान पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, मोहनखेड़ा, सुभाष बेहड़, संजय जुनेजा, ममता रानी, ममता हालदार, राजवीर सिंह, सुखवंत सिंह, सुनील चुघ , अशोक चुघ,संजीव गुप्ता, विकास बंसल, संजय ठुकराल, परिमल राय, अर्जुन विश्वास, प्रेमानंद महाजन, प्रीति साना, उमा सरकार, मोनिका ढाली, मानस बैरागी, असित बाला, किशोर हालदार, विकास मल्लिक, सत्यम राय, मनीष गिरी, राकेश अधिकारी, गौतम मंडल, अशोक राय, रमन विश्वास, जयदेव मदक, खगोपती विश्वास, संजय आइस, विकास विश्वास, पवन बिष्ट, तरुण नेगी, पिंटू गांगुली, जितेश शर्मा, सौरभ शर्मा, प्रवेश कुरैशी,भीम ठुकराल, अशोक ठुकराल मोहन भारद्वाज, दिनेश पंत, शिशुपाल सिंह, विजय यादव, चौधरी ओमपाल सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, सुमित राय आदि मौजूद थे।

रावत की 'फल पार्टी' भी ...और मैं अब भी अपने एजेंडे अडिग हूं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार के समय नदियों के किनारे जलमग्न जमीन को खेती के लिए कश्यप समाज को दिया गया। वहां लोग तरबूज, खरबूज व ककड़ी की खेती करते हैं।उनके उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए ही पार्टी का आयोजन किया गया था। मौसमी फलों के साथ बुरांश व नींबू का जूस, जौनसार की टमाटर की चटनी, भट्ट की चुटकानी, लाल भात, हरिद्वार का गुड़ को परोसा गया। उनके अनुसार फल पार्टी के लिए सभी को खुला निमंत्रण दिया गया था लेकिन टिहरी में पार्टी का कार्यक्रम होने के कारण सभी नेता वहां गए थे। उधर, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य भी रावत की बातों का समर्थन करते दिखे। उन्होंने कहा कि जब भी किसी घर में कार्यक्रम होता है तो अपनों को निमंत्रण नहीं दिया जाता है। टिहरी में कांग्रेस की रैली थी, जिसमें सभी पार्टी नेता वहां गए थे। रैली नहीं होती तो जरूर फल पार्टी में हम भी जाते।

कल्याणी नदी में ....मिलते ही वहां लोगों की भीड़ लग गई। घटना की सूचना मिलने पर ट्रांजिट कैम्प कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर शव नदी से बाहर निकलवाया। वहां मौजूद लोगों में कोई भी मृतक युवक की शिनाख्त नहीं कर पाया। बाद में मामले की सूचना मिलने पर पहुंची मृतक की पत्नी ने उसकी शिनाख्त की। पिंकी ने बताया कि उसका पति शराब पीने का आदी था और बीमारी के कारण उसे दौरे भी पड़ते थे। उसका कहना था कि पति सोनू कश्यप 18 अप्रैल से घर नहीं आया था। जिसकी सूचना उसने ट्रांजिट कैम्प कोतवाली में दी थी। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजनों के आने का इंतजार किया जा रहा है। जिनके आने पर पंचनामे की कार्रवाई की जायेगी। मृतक सोनू कल्याणी नदी में कैसे पहुंचा पुलिस इसकी छानबीन कर रही है।

गंगोत्रे और यमुनोत्री...बाद मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस दौरान धाम में उपस्थित हजारों भक्तों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक उल्लास से भर गया। पहले ही दिन हजारों तीर्थयात्रियों ने गंगा जी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। दूसरी ओर, मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरसाली (खुशीमठ) से ढोल-दमाऊं की थाप और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ मां यमुना की उत्सव डोली यमुनोत्री धाम के लिए रवाना हुई। दोपहर 12:35 बजे यमुनोत्री मंदिर के कपाट भी भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए गए। अब आगामी छह माह तक श्रद्धालु इन पावन धामों में पूजा-अर्चना कर सकेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश-विदेश से आए तीर्थयात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज का दिन उत्तराखंड और संपूर्ण राष्ट्र के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चारधाम यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 'अतिथि देवो भवः'के संकल्प के साथ हम प्रत्येक श्रद्धालु की सुख-सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस वर्ष यात्रा अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ेगी। सीएम ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे उत्साह के साथ आएं, सरकार ने स्वास्थ्य, मार्ग और आवास की बेहतरीन व्यवस्थाएं की हैं। उन्होंने सभी को अक्षय तृतीया और चारधाम यात्रा के शुभारंभ की हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारी, मंदिर समिति के पदाधिकारी और भारी संख्या में स्थानीय लोग व तीर्थयात्री मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह में चार... शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा, किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़,पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, पूर्व पालिकाध्यक्षा मीना शर्मा, मंहत शिवानन्द जी महाराज, स्वामी चैतन्य जी महाराज, महंत मनीष सलूजा, बाई जी, मंदिर समिति के अध्यक्ष गुलशन नारंग, महामंत्री चन्द्रप्रकाश सचदेवा व कोषाध्यक्ष सौरभ गाबा,गगन कुमार बाधवा, मनोज अरोरा, सर्वेश मौर्य, अक्ष नारंग, संजय गर्ग, राकेश अग्रवाल, कुंज बिहारी श्रीवास्तव, मनीष शर्मा, पवन अग्रवाल, शिवांश अग्रवाल, देशराज तागरा, अंजू सक्सेना, सीमा फुटेला, शिवांगी गर्ग, राकेश शर्मा, अजय फुटेला, अनिल शर्मा, अजय नारायण, ललित बिष्ट, अशोक सक्सेना, सूरज सचदेवा, अन्नू अरोरा, आरती सचदेवा, रितु बाधवा आदि मौजूद थे । मंदिर कमेटी ने बताया कि आज पांच जोडों का सामूहिक विवाह होना था परंतु एक वर का अचानक स्वास्थ्य खराब हो जाने के कारण उनका विवाह न हो सका। उन्होंने बताया कि इस जोड़े का जल्द ही विवाह कराया जायेगा।

जु-जित्सू प्रतियोगिता के लिए कुमाऊं विश्वविद्यालय की टीम भोपाल रवाना

रूद्रपुर। कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल की 23 सदस्यीय जु-जित्सू टीम ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी जु-जित्सू प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भोपाल रवाना हो गई है। जिला जु-जित्सू एसोसिएशन के अध्यक्ष भारत भूषण चुघ ने खिलाड़ियों को उनकी खेल भावना और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए रूद्रपुर से विदा किया। यह प्रतियोगिता 20 से 24 अप्रैल 2026 तक एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल में आयोजित की जा रही है। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भारत भूषण चुघ ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त

माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का मंत्र देते हुए आशा व्यक्त की कि उत्तराखंड के यह खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे देश में कुमाऊं विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने टीम कोच ऋषि पाल भारती की कार्यक्षमता की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में टीम निश्चित रूप से पदक जीतकर लौटेगी। कोच ऋषि पाल भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि भोपाल रवाना हुई टीम में 13 महिला और 10 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। महिला टीम में शिवानी, कौशल्या गुप्ता, लोरी, खुशबू जोशी, साक्षी जोशी, श्रीपर्णा जोशी, पायल मेहता, मीनाक्षी पंत, काव्य आर्या, आरती मेहरा, सोनम, आकृति और कटाक्षा शामिल हैं। वहीं पुरुष टीम में क्षितिज सिंह, शशांक बोरा, रुद्राक्ष नेगी, विशाल मेहता, रोहित, विक्की मुखिया, गौतम, हर्ष कुमार, सुमित मेहरा, हैप्पी सिंह के साथ कोच मैनेजर हितेन मेहता टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कुमाऊं विश्वविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने खिलाड़ियों को आत्मविश्वास के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। जु-जित्सू एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के महासचिव विनय कुमार जोशी ने भी टीम को शुभकामनाएं देते हुए इसे प्रतिभा प्रदर्शन का एक बेहतरीन मंच बताया।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर ;उत्तराखण्डद्धसे मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
पफोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

एसएसपी ने किया बड़ा फेरबदल,थानों में जमे पुलिसकर्मियों के तबादले

जिले में कानून व्यवस्था को पारदर्शी और गतिशील बनाने के लिए पुलिस विभाग में व्यापक परिवर्तन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ऊधम सिंह नगर जनपद की कानून व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं गतिशील बनाने की दिशा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने एक बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। एसएसपी के निर्देशों पर जनपद के विभिन्न थानों और चौकियों में लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में तत्काल प्रभाव से परिवर्तन किया गया है। एसएसपी अजय गणपति ने स्पष्ट किया कि एक ही स्थान पर लंबी तैनाती से कार्यप्रणाली में आने वाली शिथिलता को दूर करने के लिए यह स्थानांतरण आवश्यक थे। इस फेरबदल का मुख्य लक्ष्य स्थानीय स्तर पर पनपने वाले किसी भी प्रकार के अनुचित गठजोड़ को समाप्त करना है, ताकि कानून का राज बिना किसी भेदभाव के स्थापित हो सके। एसएसपी ने बताया कि इस कदम से पुलिसिंग में पारदर्शिता आएगी और पुलिसकर्मियों में नई सजगता पैदा होगी, जिससे अपराध नियंत्रण और सूचना तंत्र को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने जोर दिया कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का निस्तारण निष्पक्षता के साथ हो और आम जनता का पुलिस प्रशासन पर विश्वास बना रहे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने सभी स्थानांतरित कार्मिकों को अपने नवीन तैनाती स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण कर पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ ड्यूटी करने के कड़े निर्देश दिए हैं।स्थानांतरित होने वाले मुख्य आरक्षियों में प्रकाश चन्द्र शुक्ला को जशपुर से दिनेशपुर, नवीन प्रकाश को जशपुर से रूद्रपुर, संजय कालाकोटी को कुण्डा से हेड कानि0 क्लर्क दिनेशपुर, अनिल मनराल को काशीपुर से पन्तनगर, वीरेन्द्र कुमार को बाजपुर से किच्छा, सुरेन्द्र सिंह बोरा को बाजपुर से किच्छा, सुभाष जोशी को बाजपुर से खटीमा, भूपाल चन्द्र को बाजपुर से नानकमत्ता, विजय सिंह बोहरा को दिनेशपुर से हेड मोहर्रिर कुण्डा, प्रदीप कुमार को दिनेशपुर से बाजपुर, मनोज बोरा को पन्तनगर से बाजपुर, जगदीश अधिकारी को रूद्रपुर से जशपुर, आनन्द ग्वासाकोटी को किच्छा से जशपुर, राकेश भट्ट को किच्छा से बाजपुर, जगदीश सिंह को नानकमत्ता से बाजपुर और रमेश कुमार को खटीमा से काशीपुर भेजा गया है।आरक्षी नागरिक पुलिस में प्रशांत कुमार को जशपुर से दिनेशपुर, विनोद मेहता, जितेन्द्र सिंह चौहान, राकेश काण्डपाल व त्रिलोक सिंह को कुण्डा से

क्रमशः रूद्रपुर व किच्छा, सुमित कुमार चौधरी व ललित नेगी को कुण्डा से सितारगंज, चन्द्रशेखर भट्ट को कुण्डा से नानकमत्ता, मनोज कुमार बोरा को कुण्डा से ट्राजिट कैम्प, खुशाल सिंह व बसन्त कैडा को काशीपुर से रूद्रपुर, नरेन्द्र लाल टम्टा व किशोर फर्त्याल को काशीपुर से खटीमा, देवानन्द व गोविन्द पंत को काशीपुर से किच्छा, कृष्ण चन्द्र व प्रेम सिंह कनवाल को काशीपुर से सितारगंज, दीपक जोशी को काशीपुर से ट्राजिट कैम्प, गिरीश विद्यार्थी को आईटीआई से झनकईया, सुरेन्द्र रावत को आईटीआई से ट्राजिट कैम्प, सुरेश चन्द्र सिंह, ज्ञानेन्द्र सोरायण व संजीव कुमार को बाजपुर से रूद्रपुर, दीपक सिंह ढेला व गजेन्द्र सिंह को बाजपुर से खटीमा, पवन कुमार व मनोज करायत को बाजपुर से किच्छा, जगदीश सिंह कोटियाल को बाजपुर से सितारगंज, प्रताप सिंह को बाजपुर से पुलभट्टा, अनुपम सिंह को बाजपुर से पन्तनगर, गिरजा शंकर को बाजपुर से ट्राजिट कैम्प, जगदीश सिंह नगरकोटी को केलाखेड़ा से खटीमा, लक्ष्मण लाल को केलाखेड़ा से दिनेशपुर, उमेश जोशी को गदरपुर से खटीमा, गिरीश चन्द्र को दिनेशपुर से बाजपुर, बलवन्त सिंह को दिनेशपुर से जसपुर, जीवन भटट को पन्तनगर से बाजपुर, धर्मेन्द्र आर्य, बिपेन्द्र फर्त्याल व लक्ष्मण सिंह को ट्राजिट कैम्प से काशीपुर, राजेन्द्र पाल, विकास शाह व भगीरथ गोरखा को रूद्रपुर से बाजपुर, कृष्ण प्रसाद व महेश राम को रूद्रपुर से काशीपुर, महेन्द्र कुमार व यशपाल सिंह मेहरा को रूद्रपुर से कुण्डा, दीपक बोरा व पूरन सौराडी को किच्छा से बाजपुर, सुभाष चन्द्र को किच्छा से काशीपुर, बृजमोहन सिंह व उमेश सिंह को किच्छा से कुण्डा, नीरज जोशी को किच्छा से केलाखेड़ा, मनोज बेलवाल को सितारगंज से बाजपुर, किरन कुमार मेहता को सितारगंज से काशीपुर, चन्द्र प्रकाश सिंह व अर्जुन सिंह को सितारगंज से कुण्डा, जगदीश चन्द्र लोहनी को सितारगंज से केलाखेड़ा, राज कुंवर सिंह को नानकमत्ता से कुण्डा, त्रिभुवन पडलिया व दीपक कुमार को खटीमा से बाजपुर, शहनवाज अंसारी व नवीन खोलिया को खटीमा से काशीपुर, राजेन्द्र गिरी को खटीमा से कुण्डा, शान्त लाल को खटीमा से गदरपुर तथा रमेश जीना को झनकईया से आईटीआई भेजा गया है।महिला आरक्षियों में कविता वर्मा को जसपुर से काशीपुर, सीमा आर्या को जसपुर से आईटीआई, निर्मला टम्टा को कुण्डा से सीसीटीएनएस काशीपुर, ऋचा तिवारी को काशीपुर से सीसीटीएनएस कुण्डा, प्रियंका को काशीपुर से सीसीटीएनएस आईटीआई, नेहा मेहता को काशीपुर से जसपुर, प्रीति भण्डारी को काशीपुर से आईटीआई, सुनीता कम्बोज को आईटीआई से बाजपुर, मीना को आईटीआई से सीसीटीएनएस काशीपुर, राधा गोस्वामी को आईटीआई से जसपुर, कलावती बनोला को बाजपुर से आईटीआई, हंसा कोरगां को दिनेशपुर से सीसीटीएनएस ट्राजिट कैम्प, मंजू आर्या को दिनेशपुर से रूद्रपुर, कुसुम को ट्राजिट कैम्प से दिनेशपुर, रेखा गोरखा को ट्राजिट कैम्प से दिनेशपुर, गंगा बिष्ट को ट्राजिट कैम्प से सीसीटीएनएस रूद्रपुर, जानकी पाण्डे को रूद्रपुर से का0 क्लर्क ट्राजिट कैम्प, गंगा आर्या व तनुजा रावत को रूद्रपुर से ट्राजिट कैम्प, विद्या रानी को नानकमत्ता से खटीमा, कमला दुग्ताल को नानकमत्ता से झनकईया, बीना कोहली को नानकमत्ता से सीसीटीएनएस खटीमा, बीना को खटीमा से सीसीटीएनएस नानकमत्ता, कमला कोहली को खटीमा से नानकमत्ता और अनीमा बानो को झनकईया से नानकमत्ता स्थानांतरित किया गया है।

टाइगर के हमले में घायल हाथी के बच्चे की मौत

रामनगर । रामनगर वन प्रभाग की देचौरी रेंज से एक दुखद खबर सामने आई है, जहाँ टाइगर के हमले में घायल एक हाथी के बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। जानकारी के अनुसार, देर शाम सफारी के दौरान जिप्सी चालकों और नेचर गाइडों को पवलगढ़ सफारी मार्ग के पास क्यारी गांव क्षेत्र में एक घायल हाथी का बच्चा दिखाई दिया। हाथी का बच्चा रास्ते पर ही असहाय अवस्था में पड़ा हुआ था, जिसकी सूचना तुरंत वन विभाग के उच्च अधिकारियों को दी गई।सूचना मिलते ही वन कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रामनगर वन प्रभाग के एसडीओ अंकित बडोला ने बताया कि हाथी के बच्चे की उम्र करीब 6 माह थी और उसके शरीर पर टाइगर के पंजों व दांतों के गहरे निशान पाए गए थे। इससे स्पष्ट है कि उस पर बाघ ने जानलेवा हमला किया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।वन विभाग की टीम ने घायल हाथी को तुरंत कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की ढेला रेंज स्थित रेस्क्यू सेंटर पहुंचाया। जहाँ वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्साधिकारी डॉ. दुष्यन्त शर्मा और उनकी टीम ने उपचार शुरू किया। हालांकि, हाथी के बच्चे की हालत बेहद नाजुक बनी हुई थी और विशेषज्ञों की तमाम कोशिशों के बावजूद कुछ ही समय बाद उसने दम तोड़ दिया। वन विभाग ने नियमानुसार पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को दफना दिया है।

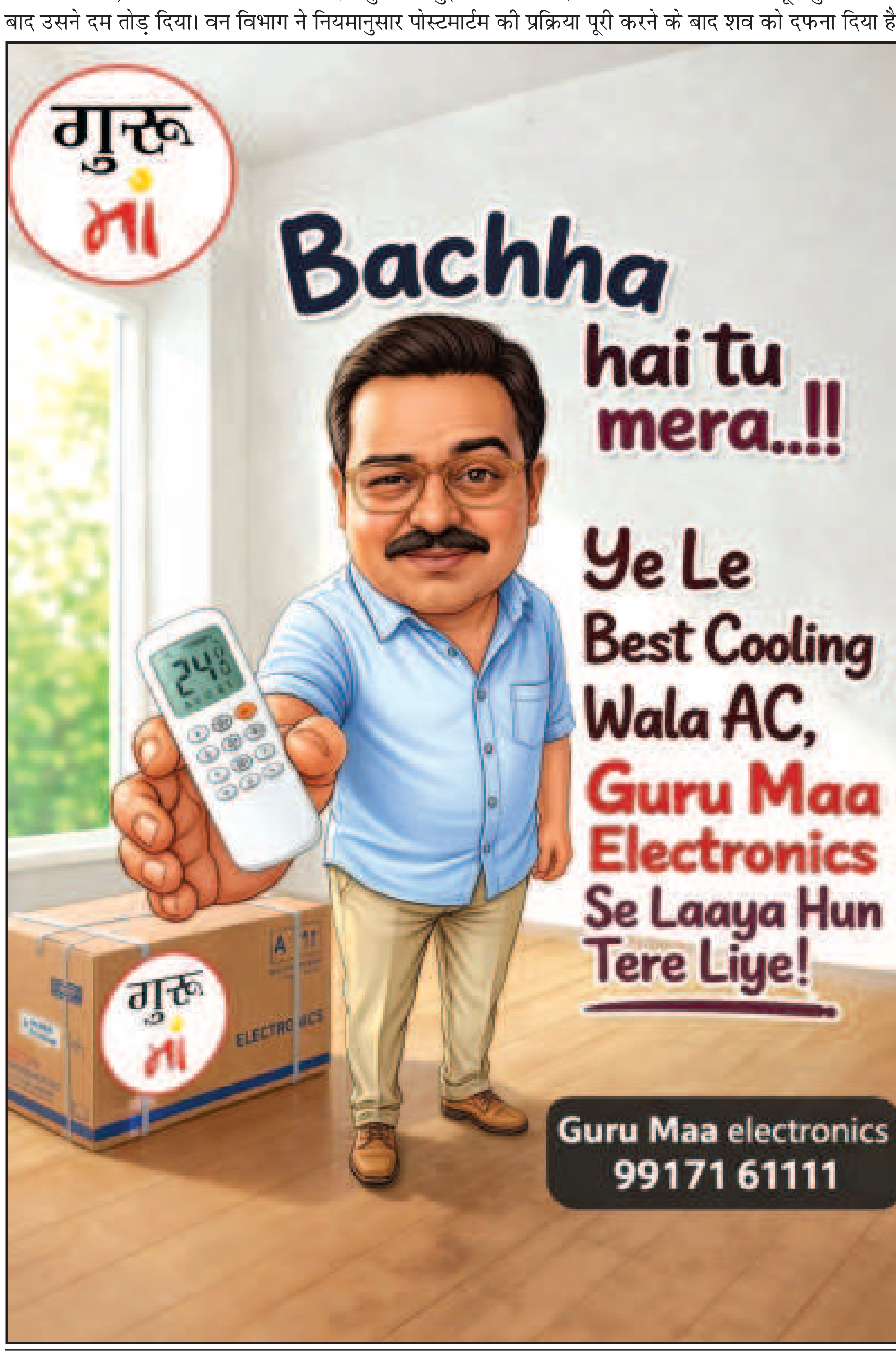

होटल से स्कूल ड्रेस में दो नाबालिग छात्राएं बरामद,लव जिहाद का आरोप

होटल सील, छात्राओं के साथ मिले युवकों को हिरासत में लिया

रामनगर (उद संवाददाता)। कानियाँ क्षेत्र स्थित एक होटल के कमरे से स्कूल ड्रेस में दो नाबालिग छात्राओं के बरामद होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर होटल को सील कर दिया है और मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों छात्राएं शहर के एक प्रतिष्ठित इंटर कॉलेज की हैं और होटल के कमरे में मौजूद थीं। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष मदन जोशी ने इस मामले को प्रमुखता से उठाते हुए पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंचे सब इंस्पेक्टर जोगा सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छात्राओं के साथ मौजूद युवकों को हिरासत में लिया और कोतवाली ले आए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने होटल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। मदन जोशी ने कहा कि क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियां लंबे समय से चलने की शिकायत मिल रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि होटल संचालक ने बिना किसी पहचान पत्र के और छात्राओं के स्कूल ड्रेस में होने के बावजूद उन्हें कमरा दे दिया। मदन

जोशी ने इसे लव जिहाद की बड़ी घटना करार देते हुए स्कूल प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एमपी हिंदू इंटर कॉलेज प्रबंधन को बार-बार आगाह करने के बावजूद स्कूल से गायब रहने वाले बच्चों के अभिभावकों को सूचित नहीं किया जा रहा है, जिससे ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि मौके पर बच्चों के पास हुक्का भी मिला है, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। उनके अनुसार पकड़े गए युवकों में एक मुस्लिम समुदाय का है, जिससे मामला और अधिक गंभीर हो गया है। उन्होंने अभिभावकों से भी जागरूक होने की अपील की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने होटल के सीसीटीवी फुटेज और डीवीआर को अपने कब्जे में ले लिया है। क्षेत्राधिकारी सुमित पांडे ने बताया कि चूंकि दोनों छात्राएं नाबालिग हैं,इसलिए पूरे प्रकरण की संवेदनशीलता के साथ जांच की जा रही है। पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लाखों की स्मैक सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। काठगोदाम थाना पुलिस ने चौंकिंग के दौरान एक नशा तस्कर को लाखों रुपए कीमत की स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है।जानकारी के अनुसार लगभग 16 लाख 44 हजार कीमत की बरेली से लायी 54.80 ग्राम स्मैक बरामद हुई। थानाध्यक्ष विमल मिश्रा के नेतृत्व में उप निरीक्षक दिलीप कुमार मय पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान कुंवरपुर बाईपास से गौलानदी जाने वाले कच्चे रास्ते, गौलापुल काठगोदाम के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 54.80 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम पता दिलशाद पुत्र हामिद निवासी इन्द्रा नगर काबुल का गेट वार्ड नं 33 बनभूलपुरा बताया। उसका कहना था कि वह कक्षा 04 तक

पढा है वर्तमान में बनभूलपुरा क्षेत्र में टैम्पो चलाता है उक्त स्मैक को वह इज्जतनगर,बरेली से खरीदकर लाया था। पुलिस दो इस माह जनवरी से अब तक नशा तस्करों की धड़पकड़ करते हुए कुल 20 मामले दर्ज कर 25 तस्करों को सलाखों के पीछे डालकर 04 करोड 15 लाख 60 हजार 80 रुपए की 01 किलो 385 ग्राम 366 मिग्रा स्मैक बरामद की जा चुकी है।